सुविचार
तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे।
अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 297 ■ जबलपुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल गिरफ्तार कर ले गई, IED ब्लास्ट की प्लानिंग थी

भोपाल से ISIS आतंकी गिरफ्तार

भोपाल। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने ISIS (इस्लामिक स्टेट्स ऑफ इराक एंड सीरिया) से जुड़े एक आतंकी को भोपाल के करोंद से गिरफ्तार किया है। वहीं, दिल्ली के सादिक नगर से भी एक आतंकी पकड़ाया है। दोनों मिलकर दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आईईडी ब्लास्ट करने की प्लानिंग कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकियों का नाम अदनान है। इन्हें फिदायीन हमले की ट्रेनिंग दी जा रही थी और उनका निशाना दिल्ली था। आतंकियों के पास से संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। फिलहाल दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह ग्रुप उन जगहों की तलाश में था, जहां वे जमीन खरीदकर अपनी गतिविधियों का केंद्र बना सकें। वे हथियार बनाने के लिए पैसे भी इकट्ठा कर रहे थे।

घर से मिली किताबें, लैपटॉप भी जब्त

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 18 अक्टूबर की सुबह 4 बजे अदनान को भोपाल के निशातपुरा थाना इलाके के इंडस रीजेंसी के मकान नंबर ए-46 से पकड़ा। उसके कमरे से धार्मिक कट्टरपंथ से जुड़ी किताबें भी मिली थीं। पुलिस उसका लैपटॉप भी ले गई है। अदनान ने इंस्टाग्राम पर खिलजी नाम से एक फेक आईडी भी बना रखी थी।

ज्ञानवापी केस के जज को भी धमका चुका है

आतंकी सैयद अदनान उर्फ अबु (20) की गिरफ्तारी दिल्ली में पकड़ाए अदनान उर्फ मुहारिद से मिले सुराग के बाद की गई है। भोपाल में पकड़े गए अदनान को 2024 में उत्तर प्रदेश एटीएस ने ज्ञानवापी मामले की सुनवाई करने वाले जज को धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। बाद में उसे कोर्ट से जमानत मिल गई थी। अदनान भोपाल में रहकर सीए की तैयारी कर रहा था।

आईएस समर्थक वॉट्सऐप ग्रुप में सक्रिय था

अदनान आईएसआईएस मॉड्यूल का समर्थन करने वाले वॉट्सऐप ग्रुप में सक्रिय था। वह सोशल मीडिया के जरिए लोगों से जुड़ा था और अपनी रणनीति पर कार्य करता था। उसके पास से कुछ संदिग्ध सामान और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट भी बरामद हुए हैं। जिस घर से उसकी गिरफ्तारी की गई, वहां संदिग्ध आतंकी अपने परिवार के साथ बीते 6 सालों से रह रहा था। उसके पिता सैयद गुलफाम एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट हैं। मां शायना थिएटर आर्टिस्ट हैं।

भोपाल पुलिस भी जानकारी खंगालने में जुटी

दिल्ली पुलिस के स्लीपर सेल ने एनआईए के साथ मिलकर भोपाल से जब आईएसआईएस के कथित आतंकी को लेकर दिल्ली रवाना हो गई। तब भोपाल पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद भोपाल पुलिस सक्रिय हुई और उसके संबंध में जानकारी खंगालना शुरू कर दिया। बता दें कि पहले भी भोपाल से पीएफआई, एचयूटी, मुजाहिदीन सहित कई अन्य प्रतिबंधित व राष्ट्र विरोधी संगठनों के पदाधिकारी या समर्थक पकड़े जा चुके हैं।

पड़ोसी बोले- अदनान अच्छा बच्चा है

भोपाल में पड़ोसी ज्योति अमकरे ने बताया कि सैयद अदनान को अच्छे से जानते हैं। कभी संदिग्ध नहीं लगा। अच्छा बच्चा है। पढ़ने वाला बच्चा है। इस बार मेरिट में आया था। 88 प्रतिशत आए थे। सीए की तैयारी कर रहा था। उनके घर में साफ-सुथरा माहौल है। पिता फैक्ट्री में हैं और मम्मी गृहिणी हैं। उन्हें यहां रहते 6 साल हो गए हैं। ये किराए का मकान है। आप लोग आए तो हमें शॉक लगा। संदेह करने लायक कभी कुछ नहीं लगा।

सितंबर में 5 आतंकी पकड़ाए थे

सितंबर में भी स्पेशल सेल ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था, जिसमें कई राज्यों से पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपियों की उम्र 20 से 26 वर्ष के बीच थी और उन्हें दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से पकड़ा गया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान झारखंड के बोकारो निवासी अशर दानिश (23), मुंबई के आफताब कुरैशी (25), महाराष्ट्र के मुंब्रा निवासी सूफियान अबुबकर खान (20), तेलंगाना के निजामाबाद निवासी मोहम्मद हुजैफ यमन (20) और मध्य प्रदेश के राजगढ़ निवासी कामरान कुरैशी (26) के रूप में हुई थी।

आतंकियों से मिले इनपुट पर कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क का मास्टरमाइंड अशर दानिश था, जो खुद को 'गजवा लीडर' और 'सीईओ' कहता था। इन आतंकियों से मिले इनपुट के आधार पर ही देशभर में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की कार्रवाई लगातार जारी है।

आफताब करता था आतंकी गतिविधियों का लक्ष्य तय

आफताब कुरैशी का काम आतंकी गतिविधियों के लिए लक्ष्य तय करना था, जबकि हुजैफ यमन हथियार बनाने का काम करता था। इन लोगों ने अपने ग्रुप का नाम 'प्रोजेक्ट मुस्तफा' रखा था। जांच में पता चला कि आरोपी सोशल मीडिया के एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर युवाओं को बरगलाते थे। वे खुद को एक एनजीओ की तरह पेश करते थे और धर्म के नाम पर युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम कर रहे थे।

26 को उज्जैन से शुरू होगी ईडब्ल्यूएस आरक्षण क्रांति

करणी सेना ने रखीं 9 मांगें कहा-स्वर्ण समाज को उसके हक से वंचित किया जा रहा

भोपाल। मध्य प्रदेश में 26 अक्टूबर से स्वर्ण समाज की ओर से ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आरक्षण के सरलीकरण, समान अवसर और न्यायोचित सुधार को लेकर एक बड़ा आंदोलन शुरू होने जा रहा है। इसकी शुरूआत बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से होगी। करणी सेना प्रमुख अनुराग प्रताप सिंह राघव ने बताया कि यह ईडब्ल्यूएस क्रांति स्वर्ण समाज के अधिकारों की पुनःस्थापना के लिए एक निर्णायक कदम साबित होगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने भले ही 10% ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू किया हो, लेकिन कठोर शर्तों और सीमित लाभ के कारण स्वर्ण समाज इसका फायदा नहीं उठा पा रहा है। करणी सेना की मांग है कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण की सीमा 10% से बढ़ाकर 20% की जाए और इसमें मौजूद जटिल शर्तों को हटाया जाए। ताकि सामान्य वर्ग के पात्र परिवारों को वास्तविक लाभ मिल सके।

करणी सेना की 9 प्रमुख मांगें

आयु सीमा में छूट: अन्य आरक्षित वर्गों की तरह ईडब्ल्यूएस वर्ग को भी प्रतियोगी परीक्षाओं में 5 वर्ष की आयु सीमा छूट मिले।

अतिरिक्त प्रयास: UPSC सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को अतिरिक्त प्रयासों की अनुमति दी जाए।

शिक्षक भर्ती नियुक्ति: 2018 की उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती में चयनित एहर वर्ग के 848 अभ्यर्थियों की नियुक्ति, न्यायालय के आदेश के अनुसार तत्काल की जाए।

कैरी फॉरवर्ड का अधिकार: यदि किसी वर्ष ईडब्ल्यूएस की रिक्तियां नहीं भर पातीं, तो उन्हें अगले वर्ष तक बैकलॉग के रूप में रखा जाए।

कंडिका 6.3 संशोधन: ईडब्ल्यूएस की रिक्तियां अगले वर्ष तक सुरक्षित रखने के लिए इस प्रावधान को बदला या हटाया जाए।

छात्रवृत्ति लाभ: मेधावी विद्यार्थी योजना, आकांक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना जैसी राज्य योजनाओं में ईडब्ल्यूएस विद्यार्थियों और परिवारों को शामिल किया जाए।

प्रमाण पत्र की वैधता: ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र की वैधता अवधि राजस्थान की तरह 3 वर्ष की जाए, ताकि हर वर्ष नवीनीकरण की परेशानी से राहत मिल सके।

ईडब्ल्यूएस कल्याण बोर्ड का गठन: राज्य स्तर पर ईडब्ल्यूएस कल्याण बोर्ड बनाया जाए और जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए।

शिक्षा का समान अधिकार: आरटीई अधिनियम के तहत ईडब्ल्यूएस वर्ग के बच्चों को भी निजी और शासकीय स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा का समान अवसर दिया जाए। आंदोलन के संबंध में करणी सेना ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता की।

सोना एक दिन में 1,836 और चांदी 4,417 सस्ती

नई दिल्ली। सोने की कीमत एक हफ्ते में 9,356 रुपए घटकर 1,21,518 प्रति10 ग्राम पर आ गई है। 17 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,30,874 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, आज 24 अक्टूबर को सोने की कीमत में 1,836 रुपए की गिरावट हुई। इससे पहले गुरुवार को इसके दाम 1,23,354 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी में 4,417 रुपए की गिरावट देखने को मिली और 1,47,033 रुपए प्रति किलोग्राम बिकी। कल इसकी कीमत ?1,51,450 प्रति किलोग्राम थी। ये अपने ऊपरी स्तर से चांदी ?31,067 सस्ती हुई है। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल फ्ङकसोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

टाटा ग्रुप में विवाद जल्द खत्म हो सकता है

टाटा संस-टाटा ट्रस्ट्स मिलकर बोर्ड के फैसले लेंगे, मेहली मिस्त्री आजीवन ट्रस्टी बन सकते हैं

मुंबई। टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टियों के बीच चला आ रहा विवाद खत्म होता नजर आ रहा है। यह विवाद ट्रांसपेरेंसी और सूचनाएं शेयर करने को लेकर उपजा था। अब बोर्ड में वेणु श्रीनिवासन की दोबारा नियुक्ति के बाद ईमेल पर ट्रस्टियों के साथ उनकी बातचीत से साफ है कि इन मसलों पर सहमति बन गई है। श्रीनिवासन ने लिखा, ह्यमुझे उम्मीद है कि हम आपस में तालमेल बिठाकर काम करेंगे। जवाब में आजीवन ट्रस्टी के लिए नोमिनेटेड मेहली मिस्त्री ने लिखा, हमारा हमेशा इरादा तालमेल का रहा है। जरूरी जानकारियां शेयर करने पर सहमति बन गई है। पुरानी चीजों को खत्म करें, रतन की अपेक्षा के अनुरूप एकजुट हों।

मेहली मिस्त्री को आजीवन ट्रस्टी बनाने का प्रस्ताव- 21 अक्टूबर को ट्रस्ट्स में वेणु श्रीनिवासन को आजीवन ट्रस्टी बनाने के बाद अब मेहली मिस्त्री के नाम का प्रस्ताव दिया गया है। मिस्त्री उन चार ट्रस्टियों में हैं, जिन्होंने टाटा सन्स के बोर्ड में नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए थे।

नोएल के मामले में हितों के टकराव से विवाद बढ़ा- हितों के टकराव ने विवाद को भड़काया। नोएल टाटा पर सवाल उठे, जो ट्रस्ट के चेयरमैन होने के साथ-साथ टाटा ग्रुप की कई कंपनियों के चेयरमैन भी हैं। एक ट्रस्टी ने कहा, ह्यमालिक के रूप में बोर्ड पर बैठकर अपनी कंपनी को फंडिंग पर वोट कैसे? मेहली मिस्त्री के टाटा पावर से लॉजिस्टिक्स बिजनेस को हितों का टकराव बताते हैं। रतन टाटा के निधन के बाद नोएल को चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव मिस्त्री ने ही दिया। लेकिन पारदर्शिता में कमी की समस्या बनी रही।

ये है 38 लाख करोड़ के कारपोरेट ग्रुप में विवाद की जड़- 4 ट्रस्टीज- मेहली मिस्त्री, डेरियस खंबाटा, एचसी जहांगीर और प्रमीत झावेरी ने 11 सितंबर को विजय सिंह की टाटा संस के बोर्ड में रिअपॉइंटमेंट का विरोध किया। आरोप था कि नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह TSPL के आर्टिकल 121ए का उल्लंघन कर रहे हैं, जिसमें बोर्ड में हुए फैसलों की फौरन जानकारी ट्रस्ट को देना अनिवार्य है।

पीयूष गोयल बोले भारत बंदूक तानकर डील नहीं करता

बर्लिन। कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भारत और अमेरिका ट्रेड डील को लेकर शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे और सिर पर बंदूक रखकर डील नहीं करता है। जर्मनी में बर्लिन डायलॉग में उन्होंने कहा कि भारत यूरोपीय संघ (एव) और अमेरिका समेत देशों और क्षेत्रों के साथ ट्रेड डील पर बातचीत कर रहा है। गोयल ने कहा कि किसी भी ट्रेड डील को लॉन्?ग टर्म नजरिए से देखा जाना चाहिए।

भारत कभी भी जल्दबाजी में या किसी आवेश में आकर फैसला नहीं करता है। हाई टैरिफ से निपटने के लिए भारत नए मार्केट की तलाश भी कर रहा है। अपनी शर्तों पर डील करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ट्रेड डील हमेशा लॉन्ग टर्म नजरिए से की जाती है। यह सिर्फ टैरिफ या सामान और सर्विस तक पहुंच के बारे में नहीं है, यह भरोसे और रिश्ते के बारे में भी है। लंबे समय के लिए ट्रेड डील सिर्फ टैरिफ से कहीं ज्यादा होती हैं और हम सिर्फ आज के मुद्दों और टैरिफ पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा- भारत हमेशा राष्ट्रीय हित के आधार पर ही फैसले करता है कि उसके मित्र कौन होंगे? अगर कोई कहे कि आप यूरोपीय संघ के दोस्?त नहीं रह सकते या केन्या के साथ काम नहीं कर सकते, तो मैं यह मंजूर नहीं करूंगा।

अफगानिस्तान से विवाद के चलते क्रॉसिंग बंद

पाकिस्तान में टमाटर 600 किलो, दाम 400% बढ़े

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में टमाटर 600 रुपए किलो में बिक रहा है। यह कीमत पाकिस्तानी रुपए में है। कुछ दिन पहले यह 50-100 किलो में बिक रहा था। यानी, कीमतें करीब 400% बढ़ गई है। टमाटर के दाम बढ़ने का कारण अफगानिस्तान के साथ तनाव है। बॉर्डर पर 11 अक्टूबर से चल रहे तनाव की वजह से टोर्कहम और चमन जैसी क्रॉसिंग बंद हैं। इससे व्यापार ठप हो गया है। अफगानिस्तान से आने वाले टमाटर के ट्रक रुके हुए हैं, जिससे कराची, लाहौर और इस्लामाबाद जैसे शहरों में सप्लाई चेन टूट गई। लगभग 5,000 कंटेनर दोनों तरफ फंसे हैं।

इसके अलावा टमाटर के दाम बढ़ने की 3 और वजहें हैं

लोकल प्रोडक्शन में नुकसान: खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और सिंध में बारिश और बाढ़ से फसलें बर्बाद हो गईं। साथ ही मौसम की वजह से पकने में देरी हुई। लाहौर के बादामी बाग मार्केट में अब रोजाना केवल 15-20 ट्रक टमाटर पहुंच रहे हैं, जबकि पहले 30 होते थे।

बलूचिस्तान और ईरान से कमी: बलूचिस्तान की फसल खत्म हो रही है और ईरान से आयात भी कम हो गया। इससे डिमांड-सप्लाई का गैप और बढ़ गया।

बाजार में मनमानी: कुछ जगहों पर थोक व्यापारियों और रिटेलर्स ने कमजोर निगरानी का फायदा उठाकर कीमतें बढ़ाईं, जिससे रिटेल में थोक से दोगुनी कीमत चल रही है।

ईरान, सिंध और क्वेटा से आ रहा टमाटर

इस्लामाबाद में टमाटर बेचने वाले मोहम्मद इमरान ने अरब न्यूज को बताया कि अफगानिस्तान से सप्लाई पूरी तरह रुक चुकी है। अब ये ईरान, सिंध और क्वेटा से आ रहा है। सप्लाई बहुत कम हो गई है। पहले अफगानिस्तान से रोजाना 80 से 120 ट्रक टमाटर आते थे। वहीं इस्लामाबाद के ॠ9 सब्जी मार्केट के एक कस्टमर शान मसीह ने कहा- हम समझ ही नहीं पा रहे ये क्या हो गया। टमाटर हर खाने में यूज होते हैं, हम मुश्किलों से जूझ रहे हैं। एक शॉपर नुसरत जहां ने बताया कि उन्होंने एक किलो टमाटर 400 रुपए में खरीदे है।

बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसी, इससे आग लगी; 40 यात्री सवार थे

आंध्र प्रदेश में चलती बस में आग, 20 जिंदा जले

कुर्नूल। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 25 है। कुर्नूल कलेक्टर के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। अब तक 11 शवों की पहचान हो गई है, 9 के बारे में पता नहीं चल पाया है। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। ठल्र-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से कई जल गए। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे, इन्हें कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर के मुताबिक, बस में दो ड्राइवरों समेत कुल 41 लोग सवार थे। एक बाइक बस के नीचे फंस गई। हादसे के बाद बाइक से पेट्रोल लीक हो गया और उसमें आग लग गई। 21 यात्रियों का पता लगा लिया है। वे सुरक्षित हैं। 11 शव बस से निकाले गए हैं।

आग लगी, शॉर्ट सर्किट हुआ और दरवाजा नहीं खुला

कुर्नूल रेंज के DIG कोया प्रवीण ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर-क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे।

पीएम और सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद का ऐलान किया। पीएम ने कहा कि वे हादसे से दुखी हैं और घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। वहीं तेलंगाना सरकार के ट्रांसपोर्ट मंत्री पोनम प्रभाकर ने एक्स पर बताया कि तेलंगाना सरकार बस हादसे में मारे गए राज्य के लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपए आर्थिक सहायता के रूप में देगी। वहीं घायलों को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।? सरकार घायलों को बेहतर इलाज भी मुहैया कराएगी।

कलेक्टर ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर्स

हादसे के बाद कुर्नूल कलेक्टर डॉ. ए सिरी घटनास्थल पर पहुंचीं, उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इनमें कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम 08518-277305, सरकारी अस्पताल कुर्नूल 9121101059, स्पॉट कंट्रोल रूम 9121101061, कुर्नूल पुलिस कंट्रोल रूम 9121101075, जीजीएच हेल्प डेस्क के 9494609814, 9052951010 नंबरों पर जानकारी ले सकते हैं। पीएम मोदी ने पर लिखा- 'कुर्नूल का हादसा दुखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवार के साथ है।' पीएमओ ने मृतकों के परिवार के लिए ?2 लाख और घायलों को ?50 हजार दिए जाने का ऐलान किया है। जाएगी। तेलंगाना सरकार ने मारे गए लोगों के परिजन को 5 लाख और घायलों को 2 लाख की वित्तीय सहायता का ऐलान किया है। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर गौड़ ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों को जब्त कर लिया जाएगा।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

जहाँ किताबें होनी थीं, वहाँ बोतलें चमक रहीं — मंडला में नशे की आग में झुलसता भविष्य

जहाँ विद्या का दीप जलना चाहिए था, वहाँ अब शराब की बोतलें चमक रही हैं... नैनपुर की शर्मनाक हकीकत

"नशे की गिरफ्त में बचपन... नैनपुर से मंडला तक शराब ने बुझा दिए शिक्षा के दीप

मुकेश श्रीवास
9340553112

रेवाँचल टाईम्स – मंडला। ज़िले की तहसील नैनपुर जो की मंडला से लगा हुआ ही बसा शांत और संस्कारी कस्बा नैनपुर ..... जहाँ कभी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे स्लोगनों से दीवारें सजी पड़ी रहती थी और समाज की चेतना को जागृत करती थीं ..... आज उसी संस्कारी नगर में एक दृश्य ने पूरे क्षेत्र की आत्मा हिला दी। सरकारी शराब दुकान के बाहर, स्कूल ड्रेस में दो मासूम बच्चियाँ शराब खरीदती नजर आईं। जिसकी फोटो सोशल मीडिया में जम के वायरल हो रही है और कहीं न कहीं जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली भी स्पष्ट करती नजर आ रहीं है की जिला प्रशासन जिम्मेदार विभाग बच्चों युवा के भविष्य में कितना ध्यान दे रहें है। और आज वह कर्त्तव्य के प्रति कितने संवेदनशील हैं। अभी कुछ दिन पूर्व ही शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले स्कूल बम्हनी बंजर की एक घटना ने सभी को हिला कर रख दिया था जिसमें एक स्कूली बच्ची पूरी रात भर स्कूल परिसर के एक कमरे में रात गुजारा की थी और बाद सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली थी कि वहां पर भी शराब की बॉटल पाई गई थी। हाँ, आपने सही पढ़ा ..... तो अब सरकारी शराब दुकान में, स्कूल की ड्रेस में, नाबालिग बच्चियाँ शराब ले रही थीं! और शायद पहले से ही नशे में थीं।

विडंबना देखिए– यह वही जमीन है जहाँ पतित पावनी मां नर्मदा नदी बहती हैं ..... जिसे हम जीवन दायनी पवित्रता का प्रतीक मानते हैं, जिसके किनारे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने शराबबंदी का ऐलान तो किया गया था। लेकिन शराबबंदी अब सिर्फ.सरकारी फाइलों का शब्द रह गई है। हकीकत यह है कि सरकारी ठेकेदार अब मोबाइल ठेके चला रहे हैं ..... बाइक पर बैठकर गलियों तक में शराब बेचते नजर आ रहें हैं। और नतीजा ये ..... अब वही शराब, नैनपुर की गलियों में, मासूम बच्चियों के हाथों में पहुँच चुकी है।

एक पत्रकार की आँखों से सच्चाई

यह दृश्य किसी गुप्त कैमरे से नहीं, बल्कि एक जागरूक पत्रकार की आँखों से देखा गया है। पत्रकार की जुबानी शाम का वक्त था ..... बाजार से घर लौटते हुए जब मैंने देखा कि तीन बच्चियाँ अंग्रेजी शराब दुकान के गेट पर खड़ी हैं। पहले सोचा, शायद किसी को बुलाने आई हों। पर अगले ही पल ..... एक बच्ची ने कंधे से लटका बैग खोला, और उसमें शराब की बोतल रख ली। वो दृश्य किसी के भी दिल को चीर देने वाले हादसे से कम नहीं था। मैं रुका, बात करने की कोशिश की। पता चला ..... तीनों बच्चियाँ स्कूल ड्रेस में थीं, घर से निकलीं तो स्कूल के लिए थीं, पर पहुँची शराब दुकान। गांव और स्कूल का पता मैंने जुटा लिया है ..... पर बच्चियों की निजी सुरक्षा को देखते हुए सार्वजनिक नहीं कर रहे है।

सिस्टम की नाकामी या समाज की सुन्नता?

जब इस पूरे मामले की जानकारी प्रशासन और विभागीय दायित्वों के निर्वाहन के लिए बैठे पद में एसी वंदना गुप्ता मैडम को कॉल के माध्यम से जानकारी देने की कोशिश की गई ..... तो एसी मैडम का मोबाइल फोन ही नहीं उठा। इसके बाद में पूरे मामले की जानकारी एसडीएम नैनपुर, थाना प्रभारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारी को सूचना दी गई, लेकिन प्रतिक्रिया वही पुरानी सरकारी भाषा में ..... और बस एक रटा रटाया जबाब जांच की जा रही है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा– आपके द्वारा जानकारी दी गई है। एसडीएम नैनपुर को जांच के निर्देश दिए गए हैं। तीनों बच्चियों के विषय में जानकारी जुटाई जा रही है कि वे स्कूल आई भी थीं या नहीं।

लेकिन सवाल यहाँ खत्म नहीं होते

जब शराबबंदी वाला क्षेत्र है, तो ये सरकारी ठेके खुली चुनौती के साथ शराब कैसे बेच रहे हैं? और दुकानों से गांव गांव तक किसकी इजाजत से शराब पहुंचाई जा रही है विभाग को आखिर सरकार किस बात की तनख्वाह दे रही है। इसके साथ ही शराब दुकान में जो शराब बेचने वाले ठेकेदार या कर्मचारी हैं उनकी खिली आंखों में क्या पट्टी बंधी हुई थी जो सरकारी स्कूली ड्रेस पहने हुए बच्चियों को शराब देने का काम किया गया। तो अब सवाल यह खड़ा होता हैं कि क्या अब....

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की सरकारी मुहिम से ये सरकारी सिस्टम और सभ्य समाज अब बेटी बहकाओ, बोतल पकड़ाओ बन चुका है? वायरल फोटो को देखने के बाद में तो अब हकीकत और नारे कुछ और सच्चाई कुछ और ही नजर आती हुई दिखाई टेल्ड रही हैं जो आज आप और हम सभी के सामने हैं। आज हालत ये हो गए है कि जिन बच्चों के हाथों में किताब पेन होना था वह अब खुद शराब की दुकान में पहुँच कर शराब की बोतल थाम रहीं है आक..थू... हे ये येसे जिम्मेदारों पर जो बच्चियाँ स्कूल ड्रेस में शराब की दुकान तक पहुँचीं ..... रास्ते में किसी ने रोका क्यों नहीं? आखिर कहाँ है हमारे समाज के ठेकेदार...? क्या प्रशासन तब तक एक्शन में नहीं आएगा जब तक कोई हादसा न हो जाए?

समाज के आईने में झाँकिए

कभी–कभी कोई दृश्य सिर्फ.घटना नहीं होता, बल्कि सभ्यता का आईना बन जाता है। आज नैनपुर में देखा गया दृश्य, इस पूरे सिस्टम के सड़ चुके हिस्से को उजागर करता है। चीख चीख कर बता रहा है कि प्रशासनिक अमला अब किसी काम का नहीं रहा जिले में माफियाराज चल रहा हैं। जहाँ मां नर्मदा के किनारे, शुद्धता और संस्कार का प्रतीक मानी जाती हैं। वहीं अब वही धरती शराब की गंध से बू मार रही हैं और समाज को गंदगी तक पहुंचाने वाली शराब से भरी पड़ी हुई नजर आ रही है। सोचिए... जिन बेटियों, को हम देवी का रूप मानते हैं, आज सिस्टम की लापरवाही के कारण वही देवी रूपी बेटियां शराब की बोतलें उठा रही हैं। क्या अब भी हम चुप रहेंगे? या फिर सवाल उठाने की हिम्मत करेंगे ..... क्योंकि जब समाज चुप रहता है, तो अपराध नंगा नाचता है।

मनमानी और घटिया निर्माण ने बिगाड़ी स्थिति

देवदरा पंचायत में मुक्ति धाम का हाल बेहाल जिम्मेदार नीद में शराबियों का बना अड्डा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत देवदरा अंतर्गत निर्मित मुक्ति धाम (शमशान घाट) इन दिनों शुर्खिया बटोर रहा है और शराबियों का अड्डा बना हुआ है, जहाँ एक ओर मंडला नगर और उपनगर के साथ साथ माँ नर्मदा के दोनों तटो से पाच किलोमीटर तक शराब बंदी की गई पर वह महज के दिखावा सबित हो रही है भाजपा सरकार में हुई ये कोई ये नई बात नहीं है जो कहते है वह करते है आदेश नियम तो बहुत बनते हैबर वह केवल आम जानता के लिए और शासन प्रशासन केवल उन्हें सुन कर अनदेखी करती है आज वही हाल माँ नर्मदा तटो का भी है जहाँ पर जम के शराब खोरी हो रही है, जहाँ पुलिस और आबकारी विभाग कानों में रूई और आखों में पट्टी बांध ली है।

इस अबैध शराब खोरी और बिक्री से गली मोहल्लों के बुरे हाल है ओर तो ओर अब ये शराबबाज पवित्र मुक्तिधाम को भी मय खाना बना दिया है मुक्तिधाम में खाली पड़ी शराब की बॉटल ये बता रही है की मंडला जिला में अबेध कारोबारी बेलगाम और भय मुक्त अपना कार्य कर रहे जहाँ पर न इन्हें पुलिस का भय है और न ही आबकारी विभाग का डर जो आज लाइसेसी ठेकेदार के गुर्गे घर घर शराब पहुँचा कर दे रहें है। आज देवदरा ग्राम में स्थित मुक्तिधाम अपनी दयनीय स्तिथि पर स्वयं आँसू बहा रहा है कई बार पंचायत के द्वारा निर्माण कार्य कराया गया जिसका उद्देश्य अंतिम संस्कार हेतु एक स्वच्छ सुरक्षित और सम्मानजनक स्थल उपलब्ध हो सके परंतु पंचायत की मनमानी, घटिया निर्माण और देखरेख के अभाव ने इस पवित्र स्थल की गरिमा को धूमिल किया जा रहा है।निर्माण के दौरान मुक्ति धाम में टाइल्स बिछाई गई चारदीवारी की मरम्मत की गई। और चेकर्स लगाए गए थे ताकि परिसर को सुंदर और सुविधाजनक बनाया जा सके। लेकिन महज कुछ महीनों में ही इन चेकर्स का उखड़ना शुरू हो गया है। निर्माण कार्य के समय घटिया सामग्री का उपयोग किया गया था। अब स्थिति यह है कि जगह-जगह से चेकर्स निकल रहे हैं, और पूरा परिसर अस्वच्छ हो गया है।

असामाजिक तत्वों का अड्डा बना मुक्ति धाम– शाम ढलते ही मुक्ति धाम अब श्रद्धा का नहीं, बल्कि शराबखोरी का केंद्र बन चुका है। आसपास के मोहल्लों के कुछ लड़के यहां बैठकर नशा करते हैं। शराब की खाली बोतलें, टूटी हुई शीशियां और गुटखा के पाउच हर जगह बिखरे पड़े रहते हैं। दीवारों पर गुटखा थूकने से दीवारे और फर्श गंदा हो गया है मेंन गेट में लगाये गए ताले को तोड़ दिया जाता है ।जिससे मुक्ति धाम की सुंदरता नष्ट हो रही है। स्थानीय निवासी बताते हैं,हमने पंचायत को कई बार शिकायत दी कि कुछ शरारती तत्व यहां रात में शराब पीते हैं और दीवारों पर गंदगी फैलाते हैं, पर किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। पंचायत का कोई जिम्मेदार व्यक्ति यहां झांकने तक नहीं आता। पंचायत की लापरवाही ग्राम पंचायत की ओर से निर्माण कार्य तो कराया गया, लेकिन उसके बाद देखरेख की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। न चौकीदार की नियुक्ति हुई, न सफाई की स्थायी व्यवस्था। नतीजा यह है कि असामाजिक तत्वों का कब्जा इस पवित्र स्थल पर हो चुका है। ग्रामीणों के अनुसार, यदि निर्माण कार्य की गुणवत्ता अच्छी होती और निगरानी रखी जाती, तो आज यह स्थिति न होती ।ग्रामीणों में पंचायत के प्रति गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि जब मुक्ति धाम के निर्माण में सरकारी धन खर्च किया गया, तो उसकी जिम्मेदारी भी पंचायत की बनती है कि वह उसकी सुरक्षा और साफ सफाई सुनिश्चित करे। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहां मृत आत्माओं की शांति के लोग आते है वहां अब अशांति और असभ्यता का माहौल फैलाया जा रहा है अब तो श्मशान घाट भी सुरक्षित नहीं रहा जरूरत है कि इसे फिर से उसकी गरिमा और पवित्रता लौटाई जाए, ताकि यह स्थल मृत आत्माओं की शांति का स्थान बन सके, न कि असामाजिक तत्वों गतिविधियों का।

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस पर शामिल हुए मंडला कलेक्टर

खेल आयोजन से निखरती है बाल प्रतिभाएँ : कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में हेल्दी-बॉडी हेल्दी-माइंड की तर्ज पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी स्कूल में विस्तृत रूप से खेल दिवस आयोजित हुआ, जिसमें कलेक्टर सोमेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।खेल कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण से की गई जिसके पश्चात बच्चों का जीवन ज्ञान की रोशनी से सुसज्जित होने के प्रतीक स्वरूप टार्च लाईटिंग कराई गई।

स्कूल के सभी बच्चों ने शानदार बॉडी वेलनस दिखाते हुए अपनी दक्षता के अनुसार समकालीन तरीके से क्रमबद्ध मार्चपास्ट एवं पी टी प्रदर्शन? किया, स्कूल के बच्चों ने कलात्मक, जिमनास्टिक, भारतीय ओलंपिक विजेता पर डांस ड्रामा, टीम इंडिया डांस, कलात्मक योगा, महान धावक मिल्खा सिंह पर नाटकीय जीवनी, जुंबा डांस, पीटी ड्रिल्स प्रस्तुत किया जिसे मुख्य अतिथि एवं अभिभावकों ने बहुत सराहा। स्कूल के वार्षिक खेल दिवस में विभिन्न प्रकार की रेस जैसे 100 मीटर, 200 मीटर, रिले रेस एवं थीम रेस आदि प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। वही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने राज्य व नेशनल स्तर के खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया एवं अपने सम्बोधन द्वारा बच्चों को प्रेरित किया। कार्यकम के अन्त में सभी विजेताओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर प्रोत्सा?हित किया गया। खेल दिवस में सीनियर चैम्पियनशिप सूरज शुक्ला, जूनियर चैम्पियनशिप पाखी सिहारे और सब जूनियर चैम्पियनशिप मानवी नेताम के द्वारा जीती गई। खेल दिवस की अध्यक्षता ब्रेन चाइल्ड एकेडमी स्कूल के डायरेक्टर निशांत शुक्ला, स्कूल प्राचार्या दिव्या शुक्ला एवं संचालन वरिष्ठ कॉर्डिनेटर राजुल सिहांनी व सोनिया जैन के द्वारा किया गया, जिसमें खेल शिक्षक अभिषेक यादव एवं रवि ठाकुर की विशेष भूमिका रही।

युवा-संगम मेला का आयोजन 28 को

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार 18 से 35 वर्ष एवं योग्यता कक्षा 8वीं से स्नातक एवं आई.टी.आई उत्तीर्ण को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए युवा-संगम मेला का आयोजन 28 अक्टूबर 2025 को नगरपालिका मण्डला के टाउनहॉल में सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे तक किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय मण्डला, आईटीआई मण्डला एवं जिला व्यापार तथा उद्योग केंद्र मण्डला द्वारा संयुक्त रूप से युवा संगम मेला का आयोजन किया जायेगा। निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे।

एलपीजी सप्लायर्स ने डिलीवरी रेट बढ़ाने की मांग

बढ़ती महंगाई और गाड़ी खर्च से मेहनताना कम हुआ, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले के एलपीजी वितरकों ने मंगलवार को कलेक्टर को पेट्रोलियम मंत्रालय के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने डिलीवरी प्रभार और प्रशासनिक शुल्क में लंबे समय से बढ़ोतरी न होने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। वितरकों ने बताया कि एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन ने 19 अप्रैल 2025 को अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया था। मंत्रालय ने अब तक कोई सकारात्मक निर्णय न लिए जाने से वितरकों में गुस्सा बढ़ रहा है। इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम के वितरक अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को देशभर के एलपीजी वितरकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वितरकों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई और गाड़ी खर्च के बावजूद शुल्क में वृद्धि नहीं की जा रही है। इससे सेवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और कर्मचारियों के मेहनताना में भी कमी आ रही है। उन्होंने सरकार से डिलीवरी प्रभार और प्रशासनिक शुल्क में तत्काल बढ़ोतरी की मांग की है।

ऊर्जा विभाग मण्डला मध्यप्रदेश सी.एम. हेल्पलाईन में लगातार बारहवीं बार प्रथम

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। ऊर्जा विभाग मण्डला द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों पर माह अक्टूबर 2024 से सितम्बर 2025 तक लगातार बारह महीनों से उपभोक्ताओं की वोल्टेज संबंधी शिकायतें, मीटर संबंधी शिकायतें, खम्भे एवं तार संबंधी शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया गया है। त्रुटिपूर्ण बिलों को सुधार कर उचित अनुमोदन प्रदान कर शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करते हुये माह अगस्त 2025 एवं सितम्बर में भी 100 प्रतिशत स्कोर प्राप्त कर, ऊर्जा विभाग मण्डला, सी.एम. हेल्पलाईन में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिये पूर्व में भी कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा मो. अयूब खान अधीक्षण अभियंता मण्डला को सम्मानित किया गया है।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 21 नवंबर तक आमंत्रित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला जबलपुर में जबलपुर संभाग के समस्त शासकीय कार्यालयों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये लेखा प्रशिक्षण का नवीन सत्र 1 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हो रहा है। जबलपुर संभाग के समस्त कार्यालय प्रमुखों के अधीन कार्यरत नियमित लिपिक वर्गीय कर्मचारी जो म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्र. सी 3-8/2013/1/3, 1 जुलाई 2013 एवं परिपत्र क्र. सी-3-15/2014/1/3, 26 फरवरी 2015 के अनुसार अनिवार्य अर्हता पूरी करते हैं एवं नियमित सेवा अवधि एक वर्ष पूर्ण कर ली हो, के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे।

पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक में निर्देश

पीएम श्री विद्यालयों में पाठ्येतर गतिविधियों पर भी फोकस करें: कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने पीएम श्री विद्यालयों के विषय में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पीएम श्री विद्यालयों में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम आना चाहिए। यह विशेष श्रेणी के विद्यालय हैं, इनको अन्य विद्यालयों के लिए आदर्श स्थापित करना होगा। कलेक्टर ने कहा कि इन विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षा के साथ पाठ्येतर गतिविधियों पर भी फोकस करें ताकि बच्चों की प्रतिभा को निखरने का अवसर मिले। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय परिसर में अतिरिक्त कक्ष, अटल टिकंरिग लैब व खेल मैदानों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण करवाएं। तीन विद्यालयों में कार्यों के प्रारंभ न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में देरी न की जाए इन्हें अविलंब शुरू कराएं। कलेक्टर ने सभी विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में फस्ट एड किट, स्वच्छ पेयजल तथा स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पानी की टंकी की नियमित मासिक सफाई आवश्यक रूप से कराएं और इसका रजिस्टर संधारित करें, जिससे निरीक्षण के दौरान इसकी जानकारी मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में समुदाय के लोगों के बच्चे पढ़ते हैं इसलिए लोगों की भागीदारी से भी कुछ कार्य कराए जा सकते हैं। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, एपीसी श्री मुकेश पाण्डेय सहित जिले के 18 पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्य मौजूद रहे।

राईस मिलर्स ने बेच दी साढ़े पांच करोड़ की धान, विभाग को खबर नहीं

18 राईस मिलर्स ने कस्टम मिलिंग के जमा नहीं किया चावल कलेक्टर के पेनाल्टी निर्देश पर गोलमोल जवाब दे रहे नान प्रबंधक

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। धान उत्पादक जिले में कस्टम मिलिंग के नाम पर राईस मिलर्स ने 05 करोड़ 47 लाख 58 हजार 331 रुपए कीमत की 23 हजार 808 क्विंटल धान, खुले बाजार में बेच दी। जिसकी भनक तक विभाग को नहीं लगी। जब राईस मिलर्स के कस्टम मिलिंग के बाद भी चांवल जमा नहीं करने का भेद खुला तो कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए 18 राईस मिलर्स पर पेनाल्टी लगाने के साथ ही राईस मिलों में उपलब्ड्ध धान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए थे। आनन-फानन में राईस मिलर्स में भौतिक सत्यापन किया गया तो पाया गया कि धान की कस्टम मिलिंग में गड़बड़ी की गई है।

जिले के खैरलॉजी की श्री मातारानी राईस मिल की जॉच में लगभग 01 करोड़ 49 लाख 22 हजार 331 रुपए के 6488 क्विंटल धान का स्टॉक नहीं होना पाया गया। इसी प्रकार लॉजी स्थित मॉ पूर्णा राईस मिल की जॉच में 01 करोड़ 29 लाख 46 हजार 700 रुपए के 5629 क्विंटल और गर्रा की मॉ कमला देवी राईस मिल गर्रा की जॉच में 02 करोड़ 68 लाख 89 हजार 300 रुपए के 11691 क्विंटल धान का स्टॉक नहीं होना पाया गया। जिसके बाद इन तीनो ही राईस मिलर्स के खिलाफ कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश धान का स्टॉक नही पाए जाने पर उनके संचालकों के विरूद्ध संबंधित थाना में बीएनएस की धाराओं के तहत थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पूर्व में भौतिक सत्यापन में नॉन को मिला था धान और चांवल उपलब्ध

सूत्रो के अनुसार केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार जिले के सभी राईस मिल का 30 अगस्त तक भौतिक सत्यापन किया गया था। जिसमें भौतिक सत्यापन में सभी जगह, धान और चावल उपलब्ध होने की बात सामने आई थी तो फिर कैसे बाद में 18 राईस मिलरो के कस्टम मिलिंग के बाद चांवल जमा नहीं करने की रिपोर्ट प्रस्तु की गई और अब फिर किए गए भौतिक सत्यापन में साड़े 5 करोड़ की धान मिलिंग से गायब हो गई जो नॉन के जिम्मेदारों की मिलर्स की जांच में की गई लापरवाही की पोल खोलता है।

पेनाल्टी पर नॉन अधिकारी बोले, शेष लोग जमा कर रहे चांवल

बीते 13 अक्टूबर को कलेक्टर मृणाल मीणा ने बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन राईस मिलर्स द्वारा धान की कस्टम मिलिंग के बाद अब तक चावल जमा नही किया गया है, उनके विरूद्ध पेनाल्टी लगाने की कार्यवाही करें। जब बताया गया था कि 18 राईस मिलर्स द्वारा कस्ड़टम मिलिंग के बाद चावल जमा नही किया गया है। जिस पर कलेक्टर ने चावल जमा नही करने वाले राईस मिलर्स पर पेनाल्टी लगाने की फाईल शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे, लेकिन आज तीन राईस मिलर्स के यहां से कस्टम मिलिंग का चावल गायब हो जाने का मामला उजागर होने के बाद, पेनाल्टी के सवाल पर जिला आपूर्ति अधिकारी आर.के. ठाकुर कलेक्टर के पेनाल्टी निर्देश से हटकर जवाब देते हुए बताते है कि बाकी सब जगह ठीक चल रहा है, सबका सत्यापन हो गया है, लॉट जमा हो रहे है, स्टॉक है, जमा हो रहे है, यह कार्यवाही चलते रहेगी लेकिन इन पर कलेक्टर के पेनाल्टी लगाने के निर्देश का क्या हुआड़ इस सवाल का कोई जवाब नहीं है।

तीन लोगों को मधुमक्खी ने काट-काटकर किया घायल, अस्पताल में चल रहा उपचार, खेत जाने के दौरान हुआ हादसा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के दो अलग-अलग गांव में मधुमक्खी के काटने से तीन लोगो के घायल होने का मामला सामने आया है। जिसमें दो पुरूष और एक महिला है। जिन्हें उपचारार्थ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना शुक्रवार की दोपहर तकरीबन दो बजे की है। जिसके बाद घायलो को जिला अस्पताल लाया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। पहली घटना बोदा गांव की है, जहां मोटरसाइकिल से खेत जा रहे दो लोगों पर मधुमक्खियां ने हमला कर दिया। मधुमक्खी के शरीर में काट दिए से घायल हुए मेवाराम पिता खेलराम लिल्हारे और गणेश दमाहे जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया है। जबकि दूसरी घटना ग्रामीण थाना खुरसोड़ी गांव की है, जहां पर खेत जा रही महिला पर मधुमक्खियां ने हमला कर दिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ने पर उपचार के लिए जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया है। महिला रीना पति दिलीप लिल्हारे ने बताया कि खेत जा रही थी, तभी रास्ते में मधुमक्खियां ने उन पर हमला कर दिया। जिसके बाद वह एक किलोमीटर दूर घर तक दौड़ते-दौड़ते पहुंची। जिसके बाद परिजनों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया है। जहां पर तीनो ही घायलों का उपचार चल रहा है। इन सभी घायलों की तहरीर मिलने के बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर लिया है और मामले की जांच को लिए संबंधित थाना को सूचना दे दी है।

पुल पर दो ट्रको की भिड़ंत, बाईक सवार को बचाने के चक्कर में भिड़े ट्रक, सीट में फंसे चालक को कड़ी मशक्कत के बाद निकाला

घंटो बाधित रहा आवागमन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले में बड़ते सड़क हादसे के बीच गुरूवार की देररात, तकरीबन 11 बजे, वारासिवनी-रामपायली मार्ग में बने मेंहदीवाड़ा पुल पर दो वाहनो की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। आमने-सामने से टकराए दोनो वाहनों के सामने का भाग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। एक ट्रक के सीट पर चालक के फंसने से घंटो की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला गया। जिसके सिर, सीने और पैर में चोटें आने पर समाजसेवी जावेद अली की कार से चालक राजकुमार मात्रे को वारासिवनी अस्पताल लाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

चालक राजकुमार मात्रे ने बताया कि वह टेकाड़ी से सोडा खाली करके वारासिवनी की ओर आ रहा था। इसी दौरान बाईक को बचाने के चक्कर में वारासिवनी की ओर से आ रहे ट्रक से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। घायल चालक ने बताया कि दूसरे ट्रक का चालक कान में हेडफोन लगाए था। जिसे अपर-डिपर देने के बाद भी उसने नहीं देखा। हालांकि घटना के बाद से दूसरा ट्रक चालक का कोई पता नहीं चल सका है। संभावना है कि घटना के बाद वह ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। वाहनों की भिड़ंत से घंटो मार्ग पर आवागमन बाधित रहा।

वाहनो के सामने के क्षतिग्रस्त हुए हिस्से, घटना की भयावहता बयां करते है। घटना के बाद लोगों की यहां भीड़ जमा हो गई। मेंहदीवाड़ा निवासी मिस्त्री नावेद खान ने बताया कि डायल 112 और पुलिस को सूचना दिए जाने के बावजूद, वह एक घंटे की देरी से पहुंची। वाहनों की भिड़ंत से सड़क पर दोनो ओर जाम लग गया। हालांकि देररात 12 बजे के बाद वाहनों को हटाकर रास्ता खुलवाया गया। जिसके बाद, इस मार्ग पर आवागमन कर रहे लोगो ने राहत की सांस ली। फिलहाल, घायल का सिविल अस्पताल वारासिवनी में उपचार चल रहा है।

विद्युत मंडल के पेंशनर्स को नहीं दी जा रही पेंशन गारंटी, पेंशनर्स की बैठक में उठा मुद्दा, प्रांतीय उपाध्यक्ष बोले यह पहली सरकार है जिसने महंगाई भत्ता रोका

अब पेंशनर्स भी विधानसभा चुनाव में करेंगे उम्मीदवारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । वर्षो से शासन की ओर अपनी मांगो के निराकरण होने की टकटकी लगाए, शासकीय सेवा में अपना जीवन के कई साल देने वाले पेंशनर्स, शासन की अनदेखी से परेशान है। पेंशनर्स का आरोप है कि सरकार, पेंशनर्स की सुनवाई नहीं कर रही है।

दरअसल, शुक्रवार को नगर के एक निजी प्रेक्षागृह में मप्र विघुत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन ने बैठक की और अपनी समस्याओं को रखा। बैठक में पेंशनरों ने, पेंशन की गारंटी, महंगाई भत्ता बड़ाने, अनुकंपा नियुक्ति सहित अन्य समस्याओं पर चर्चा की।

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियो ने बताया कि विद्युत मंडल के पेंशनर्स और राज्य सरकार के पेंशनर्स को अभी तक महंगाई भत्ता की किश्त नहीं मिली है। आज तक किसी सरकार ने महंगाई भत्ता नहीं रोका है लेकिन यह सरकार हमारा महंगाई भत्ता रोक रही है। इसी तरह पेंशन की गारंटी के लिए भी हम वर्षों से गुहार लगा रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आज भी उपभोक्ताओं से आने वाले पैसे और फंड के ऊपर डिपेंड है। ऐसे कई पेंशनर्स है, जिनकी, यह लड़ाई लड़ते हुए मौत हो गई है।

एसोसिएशन प्रांतीय उपाध्यक्ष आई.डी. पटले ने बताया कि विद्युत विभाग के पेंशनर्स को पेंशन की गारंटी नहीं दी जा रही है, इसके अलावा बालाघाट में दो-दो विधायक कर्मचारियों के वोट से वैलेट पेपर के आधार पर चुनाव जीते हैं, लेकिन वे भी हमारा एहसान नहीं मान रहे हैं, हमारी आवाज को सदन में नहीं उठा रहे हैं। हमने आज तक जनप्रतिनिधियों के हाथ जोड़कर निवेदन किया है लेकिन किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। अब पेंशनर्स एसोसिएशन ने आगामी विधानसभा चुनाव में खुद का उम्मीदवार मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। आने वाले विधानसभा चुनाव सहित अन्य चुनाव में हम अपने प्रतिनिधि चुनावी मैदान में उतारकर अपनी आवाज सदन तक पहुंचाएंगे।

बैठक में इन मांगो पर की गई चर्चा

बैठक में नियमित राज्य कर्मियों की तरह बकाया 4 प्रतिशत डी.ए. ओर केन्द्रकर्मी के अनुसार बकाया 30 प्रतिशत डी.ए. मय एरियर्स, छत्तीसगड़ सरकार की सहमति समाप्त करने वाली धारा 49 के आदेश प्रसारित करने, छठे वेतनमान का 32 माह और सातवें वेतनमान का 27 माह का रिवीजन एरियर्स तथा वर्ष 2000 के पूर्व के पेंशनर का वेज रिवीजन एरियर प्रदान करने, 30 जून को सेवानिवृत्त कर्मियों को माननीय न्यायालय के आदेश के अनुरूप अतिरिक्त इकीमेंट मय एरियर्स दिये जाने, केन्द्र और राज्य शासन के अनुरूप सातवें वेतनमान की विसंगति दूर कर 4400 रूपए ग्रेड-पे में सुधार करने, पूर्व अनुसार 25 प्रतिशत फ्री बिजली देने एवं पेंशनर्स के विद्युत देयकों में अतिरिक्त अमानत राशि नहीं लिए जाने, सोलर प्लॉट के लिए पेंशनर्स को भी सब्सिडी देने सहित अन्य मांगो पर चर्चा की गई। बैठक में एसोसिएशन अध्यक्ष इंजी. के.एल. गौतम, सचिव आर.एस. सिंह, कोषाध्यक्ष मानिकचंद ठाकरे, इंजी. भगत सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य और पेंशनर उपस्थित रहे।

एनजीटी की गठित टीम ने किया देवीतालाब का निरीक्षण

टीम ने देखा दूषित नाले और नाली से तालाब में आ रहा गंदा पानी, 16 एकड़ 14 डिसमिल का तालाब 8 एकड़ में सिमटा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शहर के हृदयस्थल पर अपने इतिहास को समेटे देवीतालाब के संरक्षण को लेकर प्रशासनिक और नगरपालिका की उदासीनता के बाद जल संरक्षण प्रेमियों के तालाब को बचाने के प्रयास का ही परिणाम है कि एनजीटी के आदेश पर शुक्रवार 24 अक्टूबर को पर्यावरण कंट्रोल बोर्ड जबलपुर के प्रतिनिधि कैलाश सोनी, इफको भोपाल प्रतिनिधि मनोज विश्वकर्मा और प्रशासनिक प्रतिनिधि एसडीएम गोपाल सोनी ने याचिकाकर्ता द्वारकाप्रसाद चौधरी के साथ, तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने, देवी तालाब में आ रहे गंदे पानी के पांच स्त्रोत नाले और नालियों को भी देखा।

दरअसल, याचिकाकर्ता द्वारकाप्रसाद चौधरी ने शहर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के देवी तालाब को संरक्षित करने के लिए एनजीटी में वाद पेश किया था। जिसमें विगत 23 सितंबर को एनजीटी ने तीन सदस्यीय टीम से देवीतालाब के निरीक्षण के निर्देश दिए थे। जिसके बाद शुक्रवार को टीम, तालाब के निरीक्षण करने पहुंची थी।

याचिकाकर्ता द्वारकाप्रसाद चौधरी का आरोप है कि तकरीब 16 एकड़ 14 डिसमिल के इस तालाब में महज 8 से 9 एकड़ में ही पानी शेष है, जबकि तकरीबन 6 एकड़ में कालांतर में तालाब के जमीन पर अतिक्रमण कर भवन और दुकाने बना ली गई। जबकि तालाब के तकरीबन डेड़ से 2 एकड़ के तालाब को नगरपालिका ने मिट्टी से पाट दिया है। जिसकी शिकायत हमने एनजीटी में की थी। 23 सितंबर को राष्ट्रीय हरित न्यायालय के आदेश पर आज तीन सदस्यीय टीम ने इसका निरीक्षण किया गया है। जिसमें हमने टीम को तालाब की वास्तविकता और इस पर किए गए अतिक्रमण तथा पाटने की पूरी जानकारी के साथ ही देवी तालाब में पांच नालो और नालियों से आने वाले गंदे पानी के स्त्रोत के बारे में भी बताया है। जिसका भी टीम ने निरीक्षण किया है। निरीक्षण में मिली जानकारी की एक रिपोर्ट, टीम एनजीटी में पेश करेगी। जिसमें 10 नवंबर को सुनवाई होना है।

देवीतालाब का अपना इतिहास है, लेकिन प्रशासनिक और नगरपालिका की अनदेखी ने इस तालाब को प्रदूषित कर दिया है। शहर के जागरूक नागरिको ने तालाब में गंदे पानी को छोड़े जाने से प्रदूषित हो रही जल संरचना और किए गए अतिक्रमण से सिकुड़ चुके तालाब को लेकर याचिका एनजीटी न्यायालय में पेश की थी। शुक्रवार को बालाघाट पहुंची एनजीटी के निर्देशानुसार गठित टीम ने तकरीबन दो घंटे तक तालाब का निरीक्षण कर एक प्रतिवेदन तैयार किया है। जिसमें तालाब में नालों और नालियों से आते गंदे पानी के साथ ही तालाब की स्थिति का उल्लेख किया है। शहर के बुद्धिजीवियों के तालाब को बचाने किए गए प्रयास में, टीम का, तालाब निरीक्षण से मिल रही सफलता का पहला कदम माना जा रहा है, हालांकि अब देखना है कि आगामी नवंबर को देवीतालाब की सुनवाई मामले में क्या आदेश देती है।

पिता की हत्या का आरोपी बेटा गिरफ्तार, खेतो में छिपकर बैठा था आरोपी, 24 घंटे के अंदर मलाजखंड पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । मलाजखंड थाना क्षेत्र के भड़गांव में पिता की हत्या कर फरार हुए आरोपी बेटे कृष्णा मेरावी को पुलिस ने गुरूवार को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद से फरार हुआ आरोपी कृष्णा, गांव के खेतो में छिपा था। पुलिस ने उसकी तलाशी के बाद उसे खेतो से धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया है।

थाना प्रभारी नरेन्द्र यादव ने बताया कि घटना के बाद से फरार आरोपी कृष्णा मेरावी की पुलिस तलाश कर रही थी। इसी बीच उसके खेतो में छिपा होने की जानकारी के बाद पुलिस टीम ने उसे पकड़ा।

आपको बताते चले कि मलाजखंड थाना क्षेत्र में निकम्मे बेटे कृष्णा मेरावी को पिता धनीराम मेरावी के काम नहीं करने की डांट इतनी नागवार गुजरी की, उसने, पिता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। जिसकी जानकारी के बाद मलाजखंड पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल घटनास्थल पहुंचकर जांच की थी। पुलिस को पता चला था कि पिता धनीराम मेरावी, अपने निकम्मे बेटे को अक्सर काम करने को लेकर डांटा करते थे। मंगलवार की शाम भी पिता ने इसी बात को लेकर अपने बेटे कृष्णा मेरावी पर डांटा था।

जिसके बाद बेटे कृष्णा मेरावी ने गुस्से में आकर, घर में रखे बांस के डंडे से पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी और फरार हो गया। घटना के बाद गत बुधवार को मलाजखंड पुलिस टीम ने मृतक धनीराम मेरावी (55) का शव बरामद कर उसका पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया था। जिसके बाद से पुलिस फरार आरोपी बेटे कृष्णा मेरावी की तलाश कर रही थी।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 25 अक्टूबर प्रात: 09 बजे बालाघाट से सिवनी के लिए प्रस्थान करेगी और प्रात: 10:30 बजे सिवनी के सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैरोगंज के स्वर्ण जयंती समारोह में सम्मिलित होने के पश्चात बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

संपादकीय

हलाल के चिंतित मायने

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हलाल प्रमाणन वाले उत्पाद इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे आतंकवाद, इस्लामी धर्मान्तरण, लव जेहाद आदि हिन्दू-विरोधी गतिविधियों से जोड़ा है। योगी के मुताबिक, इस प्रमाणन का काफी पैसा आतंकवाद और धर्मान्तरण पर खर्च किया जाता है। यह देश की जनसंख्या के समीकरण बदलने की इस्लामी साजिश है। बिहार में चुनाव का मौसम है और योगी भाजपा के स्टार प्रचारकों में एक हैं। उन्होंने राजनीतिक इस्लाम का मुद्दा भी उठाया है। चूंकि योगी आदित्यनाथ धुर हिन्दूवादी नेता हैं और उन्होंने 2023 से उप्र में हलाल प्रमाणन पर पाबंदी थोप रखी है, लिहाजा उनके आरोप और आह्वान सियासी भी हो सकते हैं। चुनाव के दौरान हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण के वह सूत्रधार रहे हैं, लेकिन देश में हलाल प्रमाणन की सिर्फ 4 संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। सरकार इस प्रमाणन से तटस्थ रही है। सवाल किया जा सकता है कि ऐसा क्यों? जबकि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को हलाल प्रमाणन के लिए अधिकृत किया है, लिहाजा ये किसी भी संदर्भ में अवैध नहीं हैं। भारत सरकार की अनुमति के बिना हलाल ठप्पे वाले उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकता। हलाल प्रमाणन सिर्फ मांस तक ही सीमित नहीं है। हालांकि इस प्रमाणन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी हलाल प्रमाणन के दायरे में हैं। यह दलील दी जाती रही है कि उत्पादों में हराम अथवा निषिद्ध सामग्री (सूअर का मांस और शराब आदि) का उपयोग तो नहीं किया गया, उसके लिए हलाल प्रमाणन अनिवार्य है। बेहद अहम सवाल है कि माचिस, चाय की प्याली, सरिया, सीमेंट, फ्लैट आदि में गैर-इस्लामी सामग्री का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? लेकिन उन पर भी यह प्रमाणन अनिवार्य है। हास्यास्पद् है कि स्कूल, अस्पताल और अर्थव्यवस्था को भी हलाल करार देने की कोशिशें जारी हैं। कुछ कामयाब भी रही हैं। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन ने यह विचार दिया था कि बैंकिंग क्षेत्र को भी हलाल प्रमाणन के दायरे में लाया जाए। यह दीगर है कि ऐसा राजनीतिक तौर पर संभव नहीं हो सका। कई दवाएं और सौन्दर्य प्रसाधन के उत्पाद हलाल की निगरानी में हो सकते हैं, क्योंकि उनमें गैर-इस्लामी, निषिद्ध सामग्री इस्तेमाल की जाती रही है। यह सार्वजनिक मान्यता भी है। भारत में करीब 3200 उत्पाद हलाल के ठप्पे के साथ बिकते हैं। हलाल प्रमाणन की अर्थव्यवस्था ही करीब 8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। कंपनियां इस प्रमाणन के लिए करीब 66,000 करोड़ रुपए खर्च करती हैं। क्या इस पूरी अर्थव्यवस्था का कोई अधिकृत ऑडिट कराया जाता है? दो अहम सवाल प्रासंगिक हैं। एक, भारत सरकार के पास जांच का सम्यक आधारभूत ढांचा है, तो ऐसा प्रमाणन सरकार या उसकी एजेंसियां क्यों नहीं जारी कर सकतीं? दूसरे, यह लाइसेंस जमीयत उलेमा ए हिन्द, हलाल इंडिया प्रा. लिमि., जमीयत उलेमा ए महाराष्ट्र और हलाल सर्टिफिकेशन सर्विसेज इंडिया प्रा. लिमि. इन चार संस्थाओं को ही क्यों दिए गए? क्या इनके पास हलाल जांचने और तय करने की तमाम कसौटियां उपलब्ध हैं? किसी गैर-इस्लामी संस्था को यह लाइसेंस क्यों नहीं दिया जा सकता? वह ज्यादा तटस्थ और ईमानदार साबित हो सकती है। यह इस्लामी चक्रव्यूह रचा गया है, क्योंकि ओआईसी के अधिकतर इस्लामी देश हलाल प्रमाणन के बिना उत्पाद कबूल ही नहीं करते हैं। ऐसा ईसाइयों, यहूदियों, जैन, बौद्ध, सिख समुदायों के लिए तो विशेष प्रावधान नहीं किए गए हैं। सूअर का तो क्या, शाकाहारी समुदाय किसी भी प्राणी का वध करके उसका मांस नहीं खाते हैं। उनके लिए तो उत्पादों पर विशेष संकेत छपने चाहिए। योगी और भाजपा का मानना है कि प्रमाणन से जो पैसा आता है, उसका मोटा हिस्सा देश की जनसांख्यिकी बदलने पर भी किया जाता है। हम इस सोच की न तो पुष्टि कर सकते और न ही किसी ठोस सबूत के बिना इस सोच का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन हलाल के जरिए जिस तरह देश की आर्थिकी बदल सकती है, वह जरूर चिंताजनक स्थिति है। हर मसले पर हिंदू-मुसलमान करना भी देश के लिए ठीक नहीं है। यह देश सभी भारतीयों का है, सभी का विकास होना चाहिए।

बिहार चुनावः मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है।

शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आजाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में ह्यबिहार के विकासह्ण की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नजरअंदाज करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है। जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

राशिफल

मेष राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- मनोवृत्ति शील बनेगी, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यगति पर ध्यान देने से लाभ के अवसर बनेंगे।

मिथुन राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, बिगड़े कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- मन अशांत रहेगा, तनाव व उपद्रव से मानसिक बेचैनी तथा धन का व्यर्थ व्यय होगा, कार्य रुकेंगे।

सिंह राशि :- क्लेश व अशांति का वातावरण रहेगा, धन का व्यर्थ व्यय करने से बचें, कार्य में बाधा बनेगी।

कन्या राशि :- किसी के शुभ कार्य में समय बीतेगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, रुके कार्य ध्यान देने से बनेंगे।

तुला राशि :- स्थिति पर नियंत्रण रखें, कार्य-व्यवसाय क्षमता में वृद्धि होगी, रुके कार्य बनेंगे, आलस्य से हानि होगी।

वृश्चिक राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति से मन उद्विघ्न रहेगा, अर्थ लाभ से कार्य सिद्धि होगी, प्रयोजन से सुख होगा।

धनु राशि :- कुटुम्ब में सुख-ऐश्वर्य, कार्ययोजना फलीभूत होगी, सफलता के साधन जुटायेंगे, कार्य को समय पर पूरा करें।

मकर राशि :- मानसिक विभ्रम, मन में उद्विघ्नता रहेगी, धन का व्यय होगा, रुके कार्य बनेंगे, कार्य बाधा से कष्ट।

कुंभ राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, बिगड़े कार्य बनेंगे, परिवार में सुख-शांति रहेगी, हर्ष का वातावरण रहेगा।

मीन राशि :- अधिकारियों के मेल-मिलाप से लाभ होगा, स्त्री वर्ग से प्रसन्नता रहेगी, वातावरण अनुकूल रहेगा।

छठ पूजा की टोकरी में जरूर रखें ये 7 पवित्र फल, इनके बिना अधूरा है आपका महापर्व!

छठ पूजा 2025 के महापर्व में छठी मैया को प्रसन्न करने और पूजा को पूर्ण बनाने के लिए 7 विशेष फलों का अर्पण अनिवार्य है। डाभ नींबू, गन्ना, केला, नारियल, सिंघाड़ा, सुपारी और सुथनी जैसे ये फल अपनी पवित्रता और धार्मिक महत्व के कारण छठ पर्व की टोकरी में शामिल किए जाते हैं, जिनके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है।

छठ पर्व की शुरूआत कल यानी शनिवार से हो रही है। छठ पूजा का पहला दिन नहाय खाय से शुरू होता है। खरना के दिन व्रत का आरंभ होता है, इसके अगले दिन घाट पर टोकरी में कई प्रकार के फल, पकवान आदि लेकर जाया जाता है। छठ पूजा को बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में इस त्योहार को भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजा की टोकरी और सूप में कुछ फलों का होना काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। जब टोकरी में ये फल न हो, तो पूजा भी अधूरी मानी जाती है। छठी मैया को यह फल बेहद प्रिय हैं। इन्हें जरुर लेकर आएं। आइए आपको बताते हैं छठ मईया के 7 फल, जिन्हें पूजा में जरुर शामिल करें।

डाभ नींबू जरूर लाएं

यह डाभ नींबू समान्य नींबू से काफी अलग होता और यह काफी बड़ा भी होता है। यह फल अंदर से लाल रंग का होता है। डाभ नींबू का स्वाद खट्टा-मीठा होता है। यह डाभ नींबू छठी मैया को बेहद प्रिया है। इसलिए छठ पूजा में डाभ नींबू जरूर लाएं। डाभ नींबू की परत मोटी होती है, जिसको पशु-पक्षी भी झूठा नहीं कर पाते हैं।

छठ पूजा के लिए गन्ना जरुरी

कई जगहों पर लोग गन्ने का घर अपने आंगन में बनाकर उसके नीचे हाथी रखकर छठी मैया की पूजा करते हैं। यह तब किया जाता है जब छठ पर्व में कोसी भरी जाती हैं। इसलिए पत्ते वाले गन्ने जरुर लें। माना जाता है कि ऐसा करने से छठी मैय्या प्रसन्न होती है। घर में माता की कृपा प्राप्त होती है और सुख-शांति मिलती है। गन्ना सख्त होता है, जिसे पशु-पक्षी जूठा नहीं कर सकते हैं। गन्ने की पवित्रता के चलते छठ माता को गन्ना सबसे प्रिय है।

केला भी है मैया का प्रिय फल

मान्यता है कि केले में भगवान विष्णु का वास होता है। इस फल को बेहद पवित्र माना जाता है। छठ माता को यह फल काफी प्रिय है। इसलिए कच्चा केला को घर पर ही पकाया जाता है क्योंकि पशु-पक्षी केले को जूठा न कर पाएं। छठ पर्व में केले को शामिल करने से माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

नारियल है काफी जरुरी

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नारियल देवी लक्ष्मी का स्वरुप है। इसे पवित्र फल माना गया है। इस पर्व पर लोग नारियल चढ़ाकर मनोकामना मांगते हैं। छठ पूजा में पवित्रता का सबसे अधिक महत्व दिया गया है। नारियल को पूजा में जरुर शामिल करें।

सिंघाड़ा खरीदें

छठ पूजा की खरीदारी में सिंघाड़ा जरुर खरीदें। माता लक्ष्मी को यह फल काफी प्रिय होता है और इसके आयुर्वेद में भी कई फायदे बताएं। यह फल जल में उगता है और इसका छिलका सख्त होता है, ऐसे में पशु-पक्षी इसे जूठा नहीं करते हैं। इसलिए पवित्रता के कारण छठ मईया को सिंघाड़ा बहुत प्रिय है।

सुपारी को खरीदें

पूजा के दौरान शुभ कार्यों में सुपारी का जरुर उपयोग किया जाता है। पान और सुपारी के साथ ही पूजा का संकल्प लिया जाता है। सुपारी काफी सख्त होती है, इसे माता लक्ष्मी का प्रभाव माना जाता है। इसलिए इस पर्व में सुपारी बहुत ही जरुरी है।

सुथनी जरुरी है

मिट्टी के अंदर उगने वाला यह फल कई बीमारियों को राहत दिलाता है। इसके साथ ही सुथनी को बहुत पवित्र और शुद्ध माना जाता है। इसलिए छठ पूजा की टोकरी में सुथनी फल भी खरीदा जाता है। छठ पर्व में इन 7 फलों को खरीदना बेहद शुभ माना जाता है।

स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट से दें हाथों को ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक

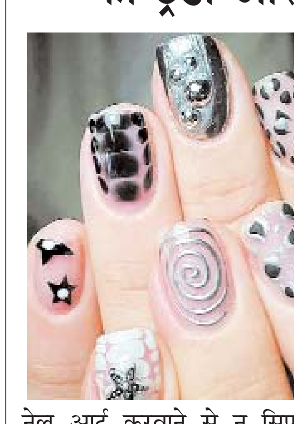

नेल आर्ट करवाने से न सिर्फ आपके नेल्स आकर्षक लगते हैं, बल्कि आपके हाथ भी दोगुना सुंदर नजर आते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह के स्मोकी ऑम्ब्रे डिजाइन वाले नेल आर्ट को क्रिएट कर सकती हैं।

हाथों को सुंदर और खूबसूरत दिखाने के लिए हम अक्सर नेल पेंट चेंज करते हैं। लेकिन अगर आप अपने हाथों को क्लासी और ट्रेंडी लुक देना चाहती हैं। तो आप हाथों में स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट भी करवा सकती हैं। नेल आर्ट करवाने से न सिर्फ आपके नेल्स आकर्षक लगते हैं, बल्कि आपके हाथ भी दोगुना सुंदर नजर आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह के स्मोकी ऑम्ब्रे डिजाइन वाले नेल आर्ट को क्रिएट कर सकती हैं, जिससे आपके हाथों की खूबसूरती दोगुना बढ़ जाए।

ग्लिटर स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट

हाथों की सुंदरता को बढ़ाने के लिए आप ग्लिटर स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट भी करवा सकती हैं। इस नेल आर्ट से आपके हाथ सुंदर नजर आएंगे। इस नेल आर्ट में आपको ग्रे और ब्लैक कलर चुनना है। फिर ग्लिटर कलर लगाएं, आप पाएंगी कि इससे आपके हाथों की रौनक बढ़ गई है।

3 डी स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट

हाथों को खूबसूरत बनाने के लिए आप 3 डी डिजाइन स्मोकी ऑम्ब्रे डिजाइन वाली नेल आर्ट भी करवा सकती हैं। इससे आपके हाथ काफी ज्यादा सुंदर लगेंहे। इसमें आपके नेल्स पर डबल कलर चूज करना है। फिर 3 डी डिजाइन को क्रिएट करने के बाद ग्लॉसी कलर करना है।

सिंपल स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट

स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट करने के लिए आप सिंपल स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट ट्राई कर सकती हैं। इस नेल आर्ट से आपके हाथों की खूबसूरती दोगुनी हो जाएगी। आप किसी भी खास इवेंट के लिए सिंपल स्मोकी ऑम्ब्रे नेल आर्ट करवा सकती हैं। यह नेल आर्ट कराने के बाद आपको कलर दोबारा चेंज नहीं करवाना पड़ेगा।

शिक्षा बना व्यापार आदर्श बी.एड. कॉलेज खैरा पलारी में पैसे दो-डिग्री लो का खेल!..

रेवांचल टाइम्स फालोअप

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - खैरा पलारी एक तरफ देश में शिक्षा को सुधारने के दावे हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ शिक्षण संस्थान अपनी लालच भरी नीतियों से शिक्षा को व्यापार में तब्दील कर चुके हैं। आदर्श बी.एड. कॉलेज, खैरा पलारी इसका जीवंत उदाहरण बन गया है, जहाँ "पैसे लाओ, डिग्री ले जाओ" की नीति पर खुलेआम अमल हो रहा है।

फर्जी शिक्षक, फर्जी दस्तावेज, जमीन पर कुछ और, कागजों में कुछ और!

कॉलेज की सबसे बड़ी अनियमितता यह सामने आई है कि शैक्षणिक दस्तावेजों में जो शिक्षक दर्ज हैं, वास्तव में कॉलेज में पढ़ाने आ कोई और रहा है।कुछ मामलों में किसी अन्य व्यक्ति के दस्तावेज लगाकर नियुक्तियाँ दर्शाई गई हैं।फैकल्टी की वास्तविक उपस्थिति, योग्यता और अनुभव कागजों में अलग, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल विपरीत है। यह दशार्ता है कि कॉलेज ने केवल औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए फर्जी शिक्षकों के दस्तावेज लगाए हैं, जबकि कक्षाओं में पढ़ाई कोई और कर रहा है। यह न केवल छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर सीधा हमला है।

मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी शिक्षा का ढांचा खोखला

कॉलेज में प्रयोगशाला, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। फर्नीचर, खेल सामग्री, तकनीकी उपकरण सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। कई छात्र बिना नियमित क्लास लिए, डिग्री हासिल कर रहे हैं। यह सब दशार्ता है कि संस्था केवल नाम की शिक्षा दे रही है, जबकि असल में यह एक डिग्री विक्रय केंद्र बन चुका है।

रेवांचल टाइम्स | पन्ना-कटनी- सिवनी-डिण्डौरी

खबर प्रशासन के बाद जन चर्चा का विषय बना आदर्श बी एड कॉलेज

कही..! आदर्श बी एड कॉलेज की शिक्षा व्यवस्था व्यापार का जरिया तो नहीं

रेवांचल टाइम्स फालोअप

दस्तावेज जा सकते हैं कई रोचक तथ्य सामने

आदर्श बी एड कॉलेज उड़ा रहा है आदेशों की धज्जियां

इस सम्बन्ध में इनका कहना है कि......

नियमों की खुलेआम धज्जियाँ झ फिर भी अधिकारी मौन..

कॉलेज में अनेक बिंदुओं पर नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा है:...फर्जी शिक्षक और नियुक्तियाँ, गलत दस्तावेज, पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया का अभाव, फर्जी उपस्थिति, आदेशों की अनदेखी.....

शिक्षा विभाग के आदेश के बाद भी कॉलेज ने मांगे गए दस्तावेज जमा नहीं किए।पूर्व में मीडिया में खबरें प्रकाशित होने के बावजूद, आज तक किसी ठोस कार्रवाई का अभाव है।

शिक्षा की आड़ में संगठित भ्रष्टाचार- कब खुलेगी पोल?

छात्रों से अवैध वसूली उपस्थिति और इंटर्नशिप में फर्जीवाड़ा सूत्रों से मिले दस्तावेज इस बात की पुष्टि करते हैं कि यदि प्रशासन इन्हें गंभीरता से परखे, तो कॉलेज की बड़ी पोल खुल सकती है। यह एक संगठित घोटाले की तरह प्रतीत होता है, जो शिक्षा के नाम पर वर्षों से चल रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी झ मिलीभगत या लापरवाही?

जब से कॉलेज में अनियमितताओं की शिकायतें आईं हैं:

शिक्षा विभाग के अफसरों को सूचना दी गई

पत्राचार हुआ

जाँच के आदेश दिए गए

फिर भी कॉलेज आज भी निर्बाध रूप से संचालित है।

प्रशासन की यह चुप्पी या तो मिलीभगत का संकेत देती है या गंभीर लापरवाही का प्रमाण है।

आमजनता की मांग: निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई....

अब समय आ गया है कि इस पूरे प्रकरण पर:

स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच बैठाई जाए

कॉलेज की मान्यता तत्काल प्रभाव से रोकी जाए

फर्जी शिक्षकों और जिम्मेदार प्रबंधन पर कानूनी कार्रवाई हो

छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के वैकल्पिक उपाय किए जाएं!

इस सम्बन्ध में इनका कहना है कि......

"आदर्श" नाम वाला यह कॉलेज आदर्शों से कोसों दूर है। शिक्षा के नाम पर चल रहे इस व्यापार को रोकना अब बेहद जरूरी हो गया है।अगर आज कार्रवाई नहीं हुई, तो कल ये संस्थान हमारे समाज, प्रशासन और भविष्य झ तीनों को खोखला कर देंगे।अब चुप रहना अपराध है। शिक्षा की रक्षा के लिए आवाज उठाना जरूरी है!"

शिकायतकर्ता अखिलेश बन्देवार आरटीआई एक्टिविस्ट एवं समाजसेवी...

कलेक्टर एवं एसपी ने बाकल पहुंचकर कानून व्यवस्था का लिया जायजा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा ने बीते गुरूवार की रात बहोरीबंद के बाकल पहुंचकर यहां चल रहे घटनाक्रम के मद्देनजर कानून व्यवस्था की स्थितियों का जायजा लिया और पुलिस बल की हौसला-अफजाई की। कलेक्टर श्री तिवारी और एसपी ने बाकल थाना क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया और आमजनता से चर्चा कर लोगों से शांति बनाये रखने की अपील की। यहां वर्तमान मे पूर्णतः शांति व्यवस्था बनी हुई है। अधिकारियों ने पुलिस बल को चौकस और सतर्क रहकर जनता के साथ सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस बल को लगातार गश्त एवं निगरानी करने की हिदायत दी गई। जिला एवं पुलिस प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों में ना आयें, धैर्य और शांति बनाये रखें। इस दौरान एसडीएम बहोरीबंद राकेश कुमार चौरसिया और एसडीओपी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर की फोटो लगी फर्जी फेसबुक अकाउंट से रहें सतर्क, न बनें फ्रेंड

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर कॉमन प्रोस्पेरिटी मेंटर (ommo»»f prosperity me»»f tor) के नाम से एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल सक्रिय है। इस पर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की जिला निर्वाचन कार्यालय स्थित ईवीएम मशीन के वेयर हाउस के निरीक्षण की प्रोफाइल फोटो लगाई गई है। जो अवैध और गैर-कानूनी है। कटनी कलेक्टर के इस फर्जी अकाउंट के माध्यम से लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। इस संबंध में जिला जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम स्थित सायबर प्रकोष्ठ और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहेरिया को वायरल फजी फेसबुक प्रोफाइल का यूआरएल प्रदान करते हुए अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

घायल बेसुध महिला को बहोरीबंद अस्पताल पहुंचाने में राहवीर बनीं पुलिस

कटनी पुलिस का मानवीय चेहरा, फरिश्ता बनीं खाकी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। बहोरीबंद-बाकल रोड में पेट्रोल पंप के पास मोटर साइकल से दुर्घटनाग्रस्त होकर अचेत हुई महिला को पुलिस के वज्रवाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद उपचार हेतु ले जाने में कटनी पुलिस का मानवीय चेहरा देखने को मिला। पुलिस ने मानवीय जिम्मेदारी इतनी शिद्दत से निभाई कि देखने वाले भावुक हो गये। जहां बाकल में ड्यूटी कर कटनी वापस आ रहे पुलिकर्मी राहवीर बनें और घायल महिला को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के इस कार्य की ग्रामीणों द्वारा सराहना की जा रही है। दरअसल पर पति चन्द्रभान कोरी मोटर साइकल से अपनी पत्नी मायाबाई कोरी और दो छोटे बच्चों को बैठाकर अपनी ससुराल रैपुरा बघवार से जबलपुर के बिलगवां जा रहे थे। तभी बाकल क्षेत्र के पेट्रोल पंप के पास मोटर साइकल के फिसलने से दुर्घटना हो गई। जिससे महिला मायाबाई के सिर पर गंभीर चोट आई और वो बेहोश हो गई। पति ने राहगीरों से भी मदद का आग्रह किया लेकिन सहायता नहीं मिल पाई। ऐसे में फरिश्ता बनकर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने घायल महिला को

तत्काल वज्रवाहन में बैठाकर बहोरीबंद अस्पताल पहुंचाया। जहां महिला का उपचार जारी है। महिला के अस्पताल तक पहुंचाने में पुलिसकर्मियों में ढीमरखेड़ा पुलिस थाना में पदस्थ एएसआई विजेन्द्र तिवारी सहित अशोक, आसुतोश, दीपक, सचिन, नीरज, अरुण, एवं आशीष शामिल रहे। ये सभी बाकल में ड्यूटी समाप्त होने के बाद वज्रवाहन से वापस कटनी आ रहे थे।

एकदिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला आयोजित

कटनी। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधव नगर कटनी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं आनंद विभाग मध्य प्रदेश शासन के संयोजन में विकासखंड स्तरीय एकदिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार मिश्रा, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, तहसीलदार अतुलेश सिंह, म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केशवाल, आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले उपस्थित हुए। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं आनंद विभाग के संयुक्त संयोजन में शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के जीवन में आनंद की अनुभूति कराने एवं उनके व्यवहार में सकारात्मक सोच पैदा करने की दृष्टि से एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

अवैध शराब विक्रय को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, किया चक्काजाम

स्लीमनाबाद लायसेंसी शराब दुकान की आड़ में गांव-गांव चल रही पैकारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले के ग्राम बडखेरा भरदा में लोगों ने फिर एक बार अवैध शराब पर विरोध प्रदर्शन किया गाँव मे लगातार हो रही अवैध शराब विक्रय से ग्रामीणों का गुस्सा एक बार फिर फूट पड़ा है शुक्रवार को स्लीमनाबाद थाना

क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़खेड़ा भरदा के सैकड़ो महिलाये व पुरुष बच्चे सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगे ! जिससे आवागमन घंटों बाधित रहा! लगभग एक से डेढ़ घंटे ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन अवैध शराब विक्रय को लेकर चलता रहा जानकारी लगते ही स्लीमनाबाद थाना प्रभारी सुदेश सुमन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचें खबर लिखने तक मामले को शांत नहीं किया जा सका था पुलिस अपने स्तर पर पैकरी चलाने वाले के घर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही थी ग्रामीण सड़क पर बैठे रोड को जाम कर-के नारे बाजी करने में लगे हुए थे । आपको बता दें कि अवैध शराब को लेकर जिले में ये पहली बार प्रदर्शन नहीं हो रहा है इसके पहले भी अनेक ग्रामों में प्रदर्शन हो चुके है पूर्व में ग्राम संसार पुर में भी अवैध शराब तस्करी का मामला प्रकाश में आया था वहीं स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खिरहनी में भी ग्रामीणों ने अवैध शराब को लेकर तीन दिन पहले चक्काजाम किया था वहीं शुक्रवार को देर शाम बड़खेडा भरदा के ग्रामीणों ने भी सड़क जाम करके प्रदर्शन किया उनकी एक ही मांग थी कि अवैध शराब की पैकारी बंद हो, हाल ही में जिले में कानून व्यवस्था बिगड़ती नजर आ रही है शराब तस्करों के हौसले इतने बुलंद है कि ग्रामीणों को भी अब सड़क पर उतरना पड़ रहा है।

अब किसान 31 अक्टूबर तक करा सकेंगे पंजीयन

कोदो-कुटकी के उपार्जन हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि में वृद्धि

कटनी । रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर कटनी जिले के इतिहास में किसानों से पहली बार कोदो-कुटकी के उपार्जन के लिये हो रहे पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में अंतिम तिथि 24 अक्टूबर थी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने किसानों से असुविधा से बचने, अंतिम तिथि के पहले ही अपना पंजीयन अवश्य करवाने की अपील की है।

पंजीयन केन्द्र

किसानों की सुविधा और सहूलियत के मद्देनजर कोदो-कुटकी की खरीदी के लिए 11 पंजीयन केन्द्र बनाए हैं। जिले में 11 पंजीयन केन्द्रों यथा बी पैक्स सहकारी समिति मर्यादित विजयराघवगढ, सिनगौड़ी, रीठी, बकलेहटा, पिपरियाकला, बड़वारा, विलायतकॅला, झिन्नापिपरिया, सिलौड़ी, स्लीमनाबाद तथा विपणन सहकारी समिति कटनी का निर्धारण किया गया है। इन केन्द्रों पर कृषकों द्वारा पंजीयन कराया जा सकता है और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। जिले में करीब 2 हजार 836 हेक्टेयर से अधिक भू-क्षेत्र में कोदो -कुटकी की खेती की जाती है। जिले का विजयराघवगढ़ क्षेत्र कोदो- कुटकी के उत्पादन में अग्रणी है। यहां के अलावा बड़वारा, ढीमरखेड़ा और रीठी क्षेत्र में भी कोदो -कुटकी की बढ़-चढ़ कर खेती की जाती है। श्रीअन्न उत्पादक जिले के कृषकों से श्रीअन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्रीअन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। खरीफ- 2025 में उत्पादित श्रीअन्न कुटकी 3500 रुपए प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के मान से उपार्जन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त कृषको को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1000 रुपये प्रति क्विंटल के मान से संबंधित कृषकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय किये जायेंगे।

निगमायुक्त ने नगर के आधा दर्जन स्थलों का किया औचक निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। आमजन से जुड़ी शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों का परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करानें के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा ने शुक्रवार को नगर के आधा दर्जन स्थलों का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह, राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक, सहायक यंत्री अनिल जायसवाल, उपयंत्री जायेन्द्र प्रताप सिंह बघेल, पवन श्रीवास्तव, शैलेन्द्र प्यासी, आलोक गर्ग सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। **जालियों की करें रिपेयरिंग-** निगमायुक्त सुश्री परिहार द्वारा सर्वप्रथम माधवनगर उपनगरीय क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ 6 लाख रुपये की लागत से उप कार्यालय माधवनगर ग्राम पंचायत चौराहा से 7 इलेवन तक निमार्णाधीन आर.सी.सी नाला के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सहायक यंत्री अनिल जायसवाल द्वारा बताया गया कि स्थल पर सुगम पानी की निकासी हेतु 500 मीटर के नाले का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें लगभग 436 मीटर नाले का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान नाले के एक दो स्थलों में जाली क्षतिग्रस्त पाए जाने पर निगमायुक्त द्वारा जालियों की रिपेयरिंग करानें तथा सुगम आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए रोड एवं नाली के बीच के शेष कच्चे स्थल को भी पक्का करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। तदोपरांत निगमायुक्त सुश्री परिहार ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत ए एच पी घटक के लिए पहरूआ में चिन्हित की गई भूमि का भी निरीक्षण किया। नगर में संचालित ट्रांसपोर्ट संचालकों को ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्ट कर नागरिकों को सुचारू आवागमन व्यवस्था मुहैया कराने के उद्देश्य से ट्रांसपोर्ट नगर में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों सहित वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का भी निगमायुक्त ने संपूर्ण गलियों का भ्रमण कर जायजा लिया।

दैनिक रेवांचल टाइम्स — निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें

संवाददाता भी नियुक्त करना है

प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320

प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

ट्रेक्टर पाकर बदलेगी खेती की तस्वीर

खुशियों की दास्तां: एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना बनीं किसान जितेन्द्र हल्दकार के लिए वरदान

कटनी । विकासखंड ढीमरखेडा के छोटे से गाँव मुरवारी के किसान जितेन्द्र हल्दकार के लिए शुक्रवार का दिन किसी त्योहार से कम नहीं था। उन्हें एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत खरीदे गए छोटे ट्रेक्टर की चाबी सौंपी गई, जिससे जल्द ही जितेन्द्र की दशा बदल जायेगी।

जितेन्द्र वर्षों से परंपरागत खेती कर रहे थे। उन्हें अक्सर कृषि के लिए एक नये ट्रेक्टर की आवश्यकता महसूस होती थी। परंतु कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते ट्रेक्टर खरीदना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन, उद्यान विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना ने उनका सपना साकार कर दिया। इस योजना के तहत मिली 1 लाख 80 हजार रुपए की सब्सिडी ने उन्हें वह आत्मविश्वास दिया कि वह एक छोटा ट्रेक्टर खरीदकर अपनी खेती को आधुनिक बना सकते हैं। जितेन्द्र हल्दकार कहते हैं, "अब तक छोटे-मोटे कामों के लिए भी हमें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय और पैसा दोनों बर्बाद होता था। यह ट्रेक्टर मेरे लिए सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि आत्म-निर्भरता की कुंजी है। अब हम समय पर जुताई और बागवानी के काम कर पाएंगे, जिससे उत्पादन बढ़ेगा और आय में बढ़ोतरी होगी।" सहायक संचालक उद्यान श्री संत कुमार त्रिवाठी ने कहा, "यह योजना छोटे किसानों को आधुनिक कृषि अपनाने के लिए प्रेरित करती है। जितेन्द्र का उत्साह देखकर हमें खुशी है। हम जिले में जल्द अधिक से अधिक किसानों को मशीनीकरण से जोड़ेंगे।" उन्होंने कहा कि जितेन्द्र हल्दकार को नए ट्रेक्टर की चाबी सौंपकर भौतिक सत्यापन पूर्ण किया गया। उन्होंने जितेन्द्र को बधाई दी।

युवक से मारपीट

कटनी। कटनी के बड़वारा थाना क्षेत्र में पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा है। बसाड़ी गांव में एक दलित युवक के साथ दबंगों ने मारपीट की। युवक का आरोप है कि बड़वारा पुलिस ने घंटों तक उसकी शिकायत दर्ज नहीं की। इसके बाद पीड़ित ने एसपी कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?

अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव

डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक

माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज

- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा

रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

भोपाल से ISIS आतंकी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल गिरफ्तार कर ले गई, IED ब्लास्ट की प्लानिंग थी

भोपाल। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने ISIS (इस्लामिक स्टेट्स ऑफ इराक एंड सीरिया) से जुड़े एक आतंकी को भोपाल के करोंद से गिरफ्तार किया है। वहीं, दिल्ली के सादिक नगर से भी एक आतंकी पकड़ाया है। दोनों मिलकर दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आईईडी ब्लास्ट करने की प्लानिंग कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकियों का नाम अदनान है। इन्हें फिदायीन हमले की ट्रेनिंग दी जा रही थी और उनका निशाना दिल्ली था। आतंकियों के पास से संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। फिलहाल दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह ग्रुप उन जगहों की तलाश में था, जहां वे जमीन खरीदकर अपनी गतिविधियों का केंद्र बना सकें। वे हथियार बनाने के लिए पैसे भी इकट्ठा कर रहे थे।

पड़ोसी बोले- अदनान अच्छा बच्चा है
भोपाल में पड़ोसी ज्योति अमकरे ने बताया कि सैयद अदनान को अच्छे से जानते हैं। कभी संदिग्ध नहीं लगा। अच्छा बच्चा है। पढ़ने वाला बच्चा है। इस बार मेरिट में आया था। 88 प्रतिशत आए थे। सीए की तैयारी कर रहा था। उनके घर में साफ-सुथरा माहौल है। पिता फैक्ट्री में हैं और मम्मी गृहिणी हैं। उन्हें यहां रहते 6 साल हो गए हैं। ये किराए का मकान है। आप लोग आए तो हमें शॉक लगा। संदेह करने लायक कभी कुछ नहीं लगा।

सितंबर में 5 आतंकी पकड़ाए थे
सितंबर में भी स्पेशल सेल ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था, जिसमें कई राज्यों से पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपियों की उम्र 20 से 26 वर्ष के बीच थी और उन्हें दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से पकड़ा गया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान झारखंड के बोकारो निवासी अशर दानिश (23), मुंबई के आफताब कुरैशी (25), महाराष्ट्र के मुंब्रा निवासी सूफियान अबुबकर खान (20), तेलंगाना के निजामाबाद निवासी मोहम्मद हुजैफ यमन (20) और मध्य प्रदेश के राजगढ़ निवासी कामरान कुरैशी (26) के रूप में हुई थी।

आतंकियों से मिले इनपुट पर कार्रवाई
पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क का मास्टरमाइंड अशर दानिश था, जो खुद को 'गजवा लीडर' और 'सीईओ' कहता था। इन आतंकियों से मिले इनपुट के आधार पर ही देशभर में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की कार्रवाई लगातार जारी है।

आफताब करता था आतंकी गतिविधियों का लक्ष्य तय
आफताब कुरैशी का काम आतंकी गतिविधियों के लिए लक्ष्य तय करना था, जबकि हुजैफ यमन हथियार बनाने का काम करता था। इन लोगों ने अपने ग्रुप का नाम 'प्रोजेक्ट मुस्तफा' रखा था। जांच में पता चला कि आरोपी सोशल मीडिया के एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर युवाओं को बरगलाते थे। वे खुद को एक एनजीओ की तरह पेश करते थे और धर्म के नाम पर युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम कर रहे थे।

42 लाख के 201 मोबाइल लोगों को वापस किए

छिंदवाड़ा पुलिस इस साल 1.71 करोड़ के 904 फोन ढूंढ चुकी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में दीपावली के बाद शुक्रवार का दिन सैकड़ों लोगों के लिए खुशी और राहत लेकर आया, जब उन्हें अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस मिल गए। साइबर सेल की मेहनत और पुलिस प्रशासन के प्रयासों से 201 मोबाइल बरामद कर उनके असली मालिकों तक पहुंचाए गए। इन सभी मोबाइल की कुल कीमत 42 लाख 15 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस कंट्रोल रूम छिंदवाड़ा में वितरण आयोजित किया गया, जहां पुलिस अधीक्षक अजय पांडेय ने खुद मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंपे। दीपावली के बाद पुलिस की इस पहल ने लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी और सभी ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।

इस साल बरामद हुए 904 मोबाइल ढूंढ : पुलिस अधीक्षक अजय पांडेय ने बताया कि वर्ष 2025 में अब तक 904 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। इन सभी मोबाइल की कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 71 लाख 66 हजार रुपए है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि साइबर टीम की सतत मेहनत और तकनीकी दक्षता का परिणाम है। एसपी ने बताया कि छिंदवाड़ा पुलिस ने नागरिकों को यह भरोसा दिलाया है कि कोई भी व्यक्ति यदि अपने मोबाइल के गुम या चोरी होने की शिकायत साइबर सेल में करता है, तो उसकी ट्रैकिंग और बरामदगी के लिए तुरंत कार्रवाई की जाती है। बरामद मोबाइलों की इस बड़ी उपलब्धि में साइबर सेल की टीम के सदस्य नितिन सिंह, आदित्य रघुवंशी, अभिषेक ठाकुर, राहुल डडोरे, मोहित चन्द्रवंशी और अंकित शर्मा ने अहम भूमिका निभाई।

धार, सतना समेत एमपी के 9 जिलों में बारिश

लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी से मौसम बदला; 25, 26-27 अक्टूबर को ज्यादा असर

भोपाल। देश के दक्षिणी हिस्से में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव है। इसका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटे में धार, सतना समेत प्रदेश के 9 जिलों में बारिश हुई। वहीं, भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, 25, 26 और 27 अक्टूबर को सिस्टम का असर ज्यादा रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, सिस्टम दक्षिण-पूर्व अरब सागर से होते हुए उत्तर-पूर्व हिस्से की तरफ बढ़ रहा है। अगले 24 घंटे से ही एमपी में असर दिखाई देने लगेगा, लेकिन 25 से 27 अक्टूबर के बीच प्रदेश के लगभग आधे हिस्से में हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी की स्थिति बनी रहेगी। इससे पहले शुक्रवार को बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, पिछले 24 घंटे में अशोकनगर, छतरपुर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सतना, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी और धार जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

भोपाल में बादल छाए, कई जिलों में लुढ़का पारा : गुरुवार को भोपाल में बादल छाए रहे। इस वजह से दिन के तापमान में मामूली गिरावट हुई है। यहां पारा 31.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इंदौर में 32 डिग्री, उज्जैन में 34 डिग्री, ग्वालियर में 33.8 डिग्री और जबलपुर में अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री रहा। बैतूल, भोपाल, दतिया, गुना, खंडवा, खरगोन, शिवपुरी, दमोह, जबलपुर, रीवा, सतना, सीधी, उमरिया में भी दिन के तापमान में कमी देखने को मिली। इधर, रात के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस वजह से तेज ठंड का असर नहीं है।

दौर में अभी भी गर्मी का एहसास : इंदौर में इन दिनों ठंड के बजाय गर्मी का असर जारी है। पिछले 24 घंटों में दिन के तापमान में मामूली इजाफा हुआ है। गुरुवार को दिन का तापमान 32.0 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य है। रात का तापमान तीन दिनों से 21 डिग्री से ज्यादा होकर औसत से 5 डिग्री ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार सुबह से मौसम साफ है और तेज धूप खिली हुई है।

नवंबर-जनवरी में पड़ेगी कड़ाके की सर्दी : मौसम विभाग के अनुसार, नवंबर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाता है, जो जनवरी तक रहता है। इस बार फरवरी तक ठंड का असर रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले सर्दियों के मौसम में 2010 के बाद सबसे भीषण ठंड का एहसास हो सकता है। सर्दियों के दौरान इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश देखने को मिल सकती है, उत्तर-पश्चिम भारत के इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ अधिक संख्या में प्रभावित करेंगे। आईएमडी ने भी जल्द ही ला-नीना परिस्थितियां विकसित होने की पुष्टि की है।

पूरे एमपी से विदा हो चुका है मानसून : मौसम विभाग के अनुसार, पूरे प्रदेश से मानसून विदा हो गया है। इस साल मानसून 3 महीने 28 दिन एक्टिव रहा। 16 जून को प्रदेश में मानसून की एंट्री हुई थी और 13 अक्टूबर को वापसी की। बावजूद बारिश का दौर बना रहेगा।इस बार प्रदेश में मानसून की 'हैप्पी एंडिंग' रही। भोपाल, ग्वालियर समेत 30 जिले ऐसे रहे, जहां 'बहुत ज्यादा' बारिश दर्ज की गई। ओवरऑल सबसे ज्यादा बारिश वाला जिला गुना है। जहां पूरे सीजन 65.7 इंच पानी गिर गया, जबकि श्योपुर में 216.3% बारिश हुई। एक्सपर्ट की माने तो अच्छी बारिश होने से न सिर्फ पेयजल बल्कि सिंचाई के लिए भी भरपूर पानी है। भू-जल स्तर भी बढ़ा रहेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा खुला पत्र:

जीतू ने कहा-वित्तीय अराजकता में फंसी है मोहन सरकार, मंडी टैक्स बढ़ाने का प्रस्ताव किसान

भोपाल। भाईदूज पर लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री निवास बुलाने और फिर भी 250 रुपए की किश्त न देने को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार पर तीखा प्रहार किया है। पटवारी ने मुख्यमंत्री को खुला पत्र लिखा है। जिसमें कहा है कि लाड़ली बहन योजना को लेकर आपकी सरकार का दोहरापन फिर सामने आ चुका है। पटवारी ने लिखा कि आपने भाईदूज पर लाड़ली बहनों के खाते में 250 रुपए भेजने की घोषणा की थी। प्रदेशभर से महिलाओं को राजधानी बुलाया भी, लेकिन वित्त विभाग की मंजूरी नहीं मिलने और बजट संकट के चलते बहनों के खाते खाली रह गए। क्या यही मध्य प्रदेश में “आत्मनिर्भर महिला” बनाने का "सरकारी-संकल्प" है? क्या अब भाजपा सरकार दिवाली और भाई दूज जैसे पर्व पर भी केवल भाषणों से ही “समृद्धि” के सपने दिखाएगी! क्या आप भी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की तरह "रजिस्टर्ड-झूठ" बोलने का नया रिकॉर्ड बनाएंगे?

राज्य में वित्तीय अराजकता की स्थिति : पटवारी ने कहा कि हर माह 5 से 5.5 हजार करोड़ रुपए कर्ज लेने वाली सरकार अब भावांतर भुगतान योजना का पैसा न दे पाने की स्थिति में किसानों से 1% मंडी शुल्क बढ़ाकर वसूली करने जा रही है। मुख्यमंत्री को स्वीकार करना चाहिए कि राज्य में वित्तीय अराजकता की स्थिति बन चुकी है। उन्होंने कहा- मध्य प्रदेश की जनता को आप पर विश्वास था कि “डॉ.” उपाधि के साथ सत्ता में आने वाला व्यक्ति संवेदनशीलता और सत्यनिष्ठा से शासन करेगा, लेकिन किसानों और महिलाओं के प्रति आपकी सरकार का रवैया उस विश्वास को पूरी तरह तोड़ चुका है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार ने भावांतर भुगतान योजना के लिए मंडी बोर्ड से 1500 करोड़ रुपए की मांग की है, लेकिन कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना ने साफ कहा है कि मंडी बोर्ड के पास इतनी आय नहीं है। अब समाधान के तौर पर मंडी शुल्क बढ़ाने का सुझाव दिया गया है, जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। पटवारी ने कहा कि यह वही भाजपा सरकार है जो मंचों से किसानों को राहत देने का दावा करती है, लेकिन हर बार ऐसे फैसले लेती है जो किसान की जेब खाली करते हैं।

1.12 लाख करोड़ का कर्ज लिया : पटवारी ने पत्र में लिखा है कि केवल जुलाई 2023 से सितंबर 2025 के बीच आपकी सरकार ने कुल 1.12 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नया कर्ज लिया है। औसतन हर महीने ?5,000 से ?5,500 करोड़ का कर्ज लेकर भी यदि सरकार के खजाने में रकम नहीं है तो यह स्पष्ट है कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति अव्यवस्था और अराजकता के चरम पर पहुंच चुकी है।

मोहन भैया, स्वीकार करें, आपका शासन वित्तीय अराजकता के मोड़ पर
पटवारी ने कहा है कि प्रदेश की जनता पूछ रही है, जब हर महीने हजारों करोड़ का कर्ज लिया जा रहा है तो जनता की योजनाओं में धनराशि क्यों रुक रही है? किसानों के लिए राहत की योजनाएं क्यों “राजनीतिक घोषणाएं” बनकर रह गई हैं? महिलाओं के स्वाभिमान की “लाड़ली बहन योजना” क्यों बजट की कमी का शिकार हो रही है?

उमंग सिंघार बोले- भावांतर योजना किसानों के साथ मजाक

रायसेन। रायसेन में शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा। उन्होंने भावांतर योजना को किसानों के साथ 'मजाक' बताया और खाद संकट को लेकर चिंता व्यक्त की। सिंघार ने सवाल उठाया कि जब अन्य राज्यों में किसानों से समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी जा रही है, तो मध्य प्रदेश में भावांतर योजना क्यों लागू है। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार किसानों के सोयाबीन का एक-एक दाना खरीदेगी? नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान खुद को 'किसान का बेटा' बताते हैं और पंजाब के किसानों से मिलने चले जाते हैं, जबकि उनके गृह क्षेत्र में किसान खाद की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सोयाबीन की फसल खराब होने से भी किसान परेशान हैं। सिंघार ने आरोप लगाया कि शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश सरकार से किसानों को मुआवजा देने की बात नहीं की, जबकि उनकी ही सरकार किसानों को मुआवजा नहीं दे पा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य राज्यों को बड़े-बड़े पैकेज मिल जाते हैं, लेकिन मध्य प्रदेश को क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री हों या प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कोई भी किसान हित में बात नहीं करना चाहता है।

रेलवे ट्रैक पर मिला डिलीवरी बॉय का शव

बैतूल। बैतूल के आमला में एक ऑनलाइन कंपनी के डिलीवरी बॉय का शव रेलवे पटरी पर मिला है। मृतक की पहचान नकुल कटारिया (21) के रूप में हुई है, जिसका सिर धड़ से अलग मिला। यह घटना बीती रात कमानी पुलिया आमला के पास हुई। रात करीब साढ़े नौ बजे एक ट्रेन पायलट ने पटरी पर शव देखकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने तत्काल पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। **पिता करते हैं बर्तन बनाने का काम :** मृतक नकुल कटारिया आमला के वार्ड नंबर तीन, कसारी मोहल्ला का निवासी था। वह ऑनलाइन शॉपिंग की डिलीवरी का काम करता था। उसके परिवार में एक बड़ा और एक छोटा भाई है, और उसके पिता कसार बर्तन बनाने का काम करते हैं।

पुलिस को आत्महत्या का शव : जांच अधिकारी रामेश्वर सिंह राजपूत के अनुसार नकुल रात आठ बजे अपनी दुकान से निकला था। पुलिस को आशंका है कि उसने पटरी पर लेटकर आत्महत्या की है, क्योंकि शरीर क्षत-विक्षत होने के बजाय सिर धड़ से अलग मिला। ट्रेन के पायलट ने भी उसे पटरी पर लेटा हुआ देखा था। फिलहाल नकुल की आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस जांच में जुटी है। प्रारंभिक आशंकाओं में कर्ज का जिक्र था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। जांच में शामिल पुलिस कर्मियों के मुताबिक, इसमें प्रेम प्रसंग की कोई आशंका नहीं है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आगे की जानकारी जुटा रही है। परिजनों ने शुक्रवार सुबह नकुल के हाथ पर लिखे नाम से उसकी पहचान की।

कार्य पद्धति को बेहतर बनाने के लिए करें नवाचार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समाधान ऑनलाइन में मुख्यमंत्री ने लंबित प्रकरणों का समाधान करवाया : जिस क्षेत्र में कोई शिकायत नहीं उन्हें करेंगे पुरस्कृत

कलेक्टर्स शैक्षणिक परिसर और छात्रावासों का करें निरीक्षण

3 निलंबित और 19 कर्मियों के विरुद्ध हुई दण्डात्मक कार्यवाही

समाधान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिलों में रायसेन और दतिया के साथ ही ऊर्जा विभाग अव्वल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कार्य पद्धति को बेहतर बनाकर नए प्रयोगों और नवाचारों के माध्यम से नागरिकों के कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे करने के प्रयास किए जाएं। सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत जिन जिलों अथवा क्षेत्रों में न्यूनतम शिकायतें होंगी, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में शिकायतें शून्य स्थिति में हैं उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों से अधिकारी-कर्मचारी सुशासन स्थापित करें। समाधान ऑनलाइन समीक्षा में प्रकरणों में कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले 3 कर्मियों को निलंबित करने के साथ ही 19 अधिकारियों-कर्मचारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5 शासकीय सेवकों की वेतन वृद्धि रोकने, 6 को कारण बताओ नोटिस देने, 7 प्रकरण में अनुशासनात्मक कार्यवाही और एक प्रकरण में दोषी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

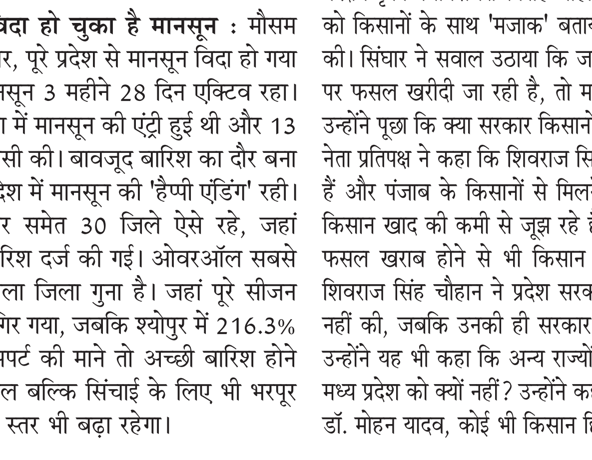

अच्छे कार्य करने वालों की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीसी द्वारा समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में नागरिकों के लंबित प्रकरणों के समाधान की कार्यवाही करवाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि आम लोगों के हित में प्रशासनिक अमला दक्षता से कार्य करे। बीते महीनों में हुए श्रेष्ठ कार्यों के लिए जिला स्तर पर रायसेन एवं दतिया जिले और विभाग स्तर पर ऊर्जा विभाग प्रथम स्थान पर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चार अधिकारियों श्री के.के. दुबे उपनिरीक्षक थाना रावतपुरा जिला भिंड, श्री वेंकटेश नेरकर कनिष्ठ अभियंता ऊर्जा मंडला, डॉ नंदिता निगम, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी धार और श्री कमलेश शुक्ला, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सतना को सितम्बर माह में सीएम हेल्पलाइन में मिली शिकायतों के शत-प्रतिशत निराकरण के लिए उच्च प्रदर्शन के लिए बधाई दी। समाधान ऑनलाइन बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा में लिए गए प्रकरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष समाधान ऑनलाइन समीक्षा बैठक में छात्रवृत्ति, आहार अनुदान, भू-अर्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और शिक्षकों की उपस्थिति से संबंधित प्रकरणों पर कार्रवाई हुई। अनूपपुर जिले के आवेदक श्री सीता बैगा ने आहार अनुदान की राशि प्राप्त न होने की शिकायत की थी। आवेदक को राशि का भुगतान करवाते हुए विलंब के लिए दोषी ग्राम पंचायत सचिव के निलंबन और सहायक आयुक्त कार्यालय के दोषी शासकीय सेवक की वेतन वृद्धि रोकी गई। रीवा जिले के श्री आशीष बहेलिया की लैपटॉप की राशि का भुगतान करवाया गया। इस तरह के लंबित अन्य प्रकरणों में भी तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। दोषी शासकीय सेवक के निलंबन और विभागीय जांच के निर्देश दिए गए। डिण्डोरी जिले के आवेदक श्री उज्जवल साहू की पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति का भुगतान करवाया गया। पोर्टल की समस्या के कारण इस कार्य में विलंब होना पाया गया जिसके फलस्वरूप दोषियों को दण्डित करने के निर्देश दिए गए हैं। मंदसौर जिले के आवेदक श्री योगेश द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना की राशि में विलंब के लिए भी अधिकारियों-कर्मचारियों का दायित्व निर्धारित कर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। डिण्डोरी जिले के आवेदक श्री अरूण यादव के सब्सिडी राशि न प्राप्त होने के प्रकरण में बैंक के स्टॉफ की त्रुटि पाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आवेदक के हक की राशि 97 हजार 500 दिलवाते हुए विलंब के जिम्मेदार बैंक कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश गए। इस प्रकरण में कुटीर एवं ग्रामोद्योग के एक अधिकारी और एक कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार जिले की छात्रा सुश्री शिवानी मौर्य की छात्रावास में बिस्तर सामग्री के लिए राशि न दिए जाने की शिकायत पर अप्रसन्नता व्यक्त की और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को इस तरह की शिकायतों को तत्परता से निराकृत करने के निर्देश दिए। छात्रावासों में विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के कार्य में लापरवाही बरतने वालों को दण्डित किया जाएगा। मैहर जिले की कु. संजना पटेल की समग्र आईडी को अन्य व्यक्ति के आधार से लिंक हो जाने की लापरवाही के लिए चार शासकीय सेवकों के विरूद्ध वेतन वृद्धि रोकने, कारण बताओ नोटिस देने, अन्य कार्यालय में संबद्ध करने और 15 दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की गई। जबलपुर जिले की श्रीमती रामदेवी वर्मन के आवेदन पर जननी सुरक्षा योजना की राशि का भुगतान समाधान ऑनलाइन के माध्यम से हुआ। इस प्रकरण में तीन शासकीय सेवकों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में दायित्व से पृथक करने और कारण बताओ नोटिस की कार्यवाही शामिल है। अशोक नगर के श्री शिवप्रताप बुंदेला के प्रकरण में भू-अर्जन की मुआवजा राशि 17 लाख 25 हजार का भुगतान करवाया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने भुगतान में पांच वर्ष के विलंब के लिए दोषी व्यक्ति पर दण्डात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। शिवपुरी जिले के श्री सौरभ किरार को कृषि यंत्रीकरण की राशि वापस दिलवाई गई। इस प्रकरण में कृषि विभाग के एक अधिकारी और तीन यंत्रियों की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए। एक अन्य प्रकरण में मैहर जिले के श्री प्रवीण तिवारी ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान निर्धारित स्थान से संचालित न करने और उपभोक्ताओं को राशन सामग्री का वितरण न करने के प्रकरण में तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित किया गया और सहायक आपूर्ति अधिकारी की वेतन वृद्धि रोकी गई।

पारंपरिक परिधान में ग्वालों ने किया नृत्य, मड़ई मेले का आयोजन

भाई को तिलक लगाकर बहन ने रखी लम्बी आयु की कामना

दीपावली का त्यौहार अनेको खुशियों से भरा त्यौहार होता है। दीपावली के त्यौहार का उत्साह लोगो मे पूरे बर्ष देखा जाती है दीपावली के त्यौहार की रौनक सम्पूर्ण जिले मे देखते ही बन रही थी गत दिवस भाई दोज के पर्व पर बहनो ने भाई को तिलक लगाकर लम्बी उम्र की कामना की वही मढ़ई मेले के आयोजन में ग्वालो द्वारा पारंपरिक परिधान छुटका को पहन कर झूमकर नृत्य किया।

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सम्पूर्ण जिले में दीपावली का पर्व शांति व धूमधाम के साथ मनाया गया। लोगो द्वारा एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाई दी गई वही ग्वालों द्वारा मढ़ई मेले के आयोजन भी गांवो मे प्रारंभ हो चुके है ग्वालों द्वारा पारंपरिक परिधान मे छुटका पहनकर नृत्य किया गया जिसे देखने के लिये लोगों का काफी हुजुम उमड़ा एवं लोग मढ़ई में जमकर खरददारी करते हुये नजर आये।

जमकर हुई गुब्बारों की विक्री

गत दिवस भाई दूज पर ग्राम डुडवारा व बम्हौरी सहित अनेकों ग्रामों में मढ़ई का आयोजन स्थानीय नागरिको द्वारा कराया गया जिसमें लोगो द्वारा मिठाई व महिला सौंदर्य प्रसाधन सामग्री व गुब्बारों की विक्री सर्वाधिक हुई, मढ़ई से जाने वाले लोगो के हाथों मे अधिकांशतः मिठाई व गुब्बारे ही नजर आ रहे थे। आयोजनकताओं द्वारा बताया गया कि हमारे पूर्वजों द्वारा उक्त मढ़ई का आयोजन कराया गया जाता था इसी क्रम में हमारे द्वारा मढ़ई का आयोजन कराया गया जिसमे क्षेत्रवासियों द्वारा जमकर मढ़ई का आनंद लेते हुये ग्वालों के नृत्य का आनंद लिया गया। वही मड़ई मे शहर के लोगों द्वारा पहुंचकर मड़ई का लुफ्त उठाया गया।

बहनो ने भाई को लगाया तिलक

भाई दूज पर बहनों द्वारा अपने भाई को तिलक लगाकर लम्बी उम्र की कामना की। पूर्व से चली आ रही परंपरा के अनुसार भाई दूज पर बहन द्वारा भाई को तिलक लगाकर भाई की लंबी उम्र की कामना एंव सुख समृद्धि का वरदान गोवर्धन भगवान व माता लक्ष्मी व भगवान चित्रगुप्त की जाती है। मान्यता के अनुसार भाई दूज पर बहन भाई को तिलक लगाकर धान की लाई का प्रसाद देती है जिससे भगवान भाई के सभी कष्टो को हर कर सुख समृद्धि प्रदान करें। ऐसी मान्यता है कि भाई को तिलक लगाकर भाई के सुखी जीवन और दीर्घ आयु की कामना की जाती है।

इतवारा बाजार में हुआ मढ़ई का आयोजन

स्थानीय इतवारा बाजार में भाईदूज पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मढ़ई का आयोजन किया गया। आयोजक परिवार चैधरी परिवार द्वारा परम्परागत ढंग से मढ़ई मेले का आयोजन कराया गया। उनके द्वारा बताया गया कि यह परम्परा उनके पुर्वजों द्वारा प्रारंभ की गई थी। जिसे हमारे परिवार द्वारा आज भी निभाया रहा हैं। मढ़ई मेले का शुभारंभ माता चंडी के विधिवत पूजन के साथ प्रारंभ किया जाता है। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से आए यादव समाज के लोगों द्वारा मनमोहक दिवाली नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक की उपस्थिति में भंडारा का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि यह मढ़ई की परम्परा अब लुप्त होती जा रही है, ऐसे में यह परिवार इस परम्परा को आज भी जीवित रखने का काम कर रहा है।

प्रकृति संरक्षण व संवर्धन की ली शपथ

भाजपा कार्यकार्तओं द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार कृषि, किसान, पशुधन की वृद्धि एवं सुरक्षा के प्रतीक गोवर्धन पूजा के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने गौ माता का पूजन किया एवं एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित कर प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ ली । इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डा अनंत दुवे, भगवान दास राय, तुलसी राम जाट, अमितेंद्र नारोलिया, रमाकान्त धाकड़, सुभाष साहू, कमलेश शर्मा, महेंद्र सिंह चैहान, बालू महाराज, आनंद प्रताप पटेल, आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री देव सिद्ध बाबा का लगा 56 भोग

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। श्री देव सिद्ध बाबा मंदिर परिसर बाईपास में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। अन्नकूट महोत्सव के दौरान मंदिर ट्रस्ट के सभी सदस्य सहित सपरिवार जनों द्वारा सुंदरकांड का पाठ कर, श्री देव सिद्ध बाबा का 56 भोग लगाया गया एवं महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मां नर्मदा परिक्रमा वासी सेवा समिति के सभी सदस्य, नगर के गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु भक्तजन सहित जिला भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष प रामसनेही पाठक, विधायक निज सचिव विनोद श्रीवास्तव ,नगर निरीक्षक गौरव चाटे, स्टेशन गंज थाना निरीक्षक रत्नाकर हिग्वे, निरीक्षक करुणा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। इस देव सिद्ध बाबा मंदिर प्रांगण में मां नर्मदा पैदल परिक्रमा वासियों को वर्षभर भोजन प्रसाद की व्यवस्था परिक्रमा वासी सेवा समिति के सदस्यों द्वारा भी की जाती है सेवा समिति के संरक्षक पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल है।

श्रीमती सरोज शर्मा का निधन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस धनारे कॉलोनी गली नंबर 2 निवासी पं चन्द्रभान शर्मा (सेवानिवृत्त रेलवे एसआई) की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज शर्मा का 70 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। श्रीमती शर्मा बेहद ही धार्मिक महिला थी आप अधिवक्ता शरद व आशुतोष शर्मा की मां थी। अंतिम संस्कार आज शुक्रवार 24 अक्टूबर को सुबह 9 बजे नकटुआ मुक्तिधाम में किया जाएगा।

नही रहे आचार्य पं. अरुण दुबे

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के आचार्य पं अरुण दुबे निवासी शंकर वार्ड नरसिंहपुर का स्वर्गवास हो गया। आप वैभव दुबे के पिताजी थे। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया जहां समाज के सभी वर्गो द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

गाली गलौज व मारपीट, दहशत में परिवार

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी युवक द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। सगौनी कलां गांव निवासी पार्वती बाई, रचना और नीरज चैधरी द्वारा शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। आवेदन मे बताया गया है कि उन्हे जातिसूचक गालियां देने, मारपीट करने, महिलाओं से अभद्र व्यवहार और जान से मारने की धमकी दी गई। आवेदन के अनुसार, यह घटना 21 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे हुई थी। नीरज चैधरी गांव की एक दुकान से सामान लेने गए थे, जहां संतोष पटेल से उनका मामूली स्पर्श हो गया। इस पर संतोष पटेल ने नीरज को मां-बहन की गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। जब नीरज की मां पार्वती बाई और पत्नी रचना उन्हें बचाने आईं, तो संतोष पटेल ने उनके साथ भी हाथापाई की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। पीड़ितों ने बताया कि उसी दिन रात करीब 7 से 8 बजे के बीच संतोष पटेल, अभिषेक लोधी, लखन पटेल और यशवंत पटेल हथियारों के साथ उनके घर पहुंचे। उन्होंने दरवाजे पर खड़े होकर जातिसूचक गालियां दीं और नीरज को जान से मारने और घर की महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने की धमकी दी। डर के मारे परिवार घर के अंदर छिपा रहा, जबकि आरोपियों ने रात 2 बजे तक मकान को घेरे रखा। अगले दिन सुबह भी आरोपी धारदार हथियारों के साथ पहुंचे और घर में आग लगाने और परिवार को जिंदा जलाने की धमकी दी। इस भयावह माहौल के कारण पीड़ित परिवार रात के समय गांव से भागकर नदी पार कर नरसिंहपुर पहुंचा। उन्होंने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की और उन्हें घंटों थाने में बैठाए रखा। आवेदकों का आरोप है कि आरोपी प्रभावशाली और पैसे वाले हैं, जिसके कारण पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करने से बच रही है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सड़क पर सांड़ो की लड़ाई, बंद रहा यातायात

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गुरूवार को नगर के मुख्य मार्ग पर शाम तकरीबन चार बजे धमाचैकड़ी मचा दी और यातायात लगभग बीस मिनिट तक बंद रहा। नगर के सिंहपुर चैराहे पर दो सांडों के आपस में भिड़ने से अफरा-तफरी मच गई। इस घटना के कारण चैराहे से गुजर रहे वाहन चालकों को रुकना पड़ा, और कई लोगों ने दूर खड़े होकर सांडों की लड़ाई देखी। आसपास के लोगों ने स्थिति को नियंत्रित करने और सांडों को अलग करने का प्रयास किया। कुछ देर बाद सांडों के अलग होने पर यातायात सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिंहपुर चैराहे पर अक्सर आवारा मवेशी मौजूद रहते हैं, जिससे ऐसी घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से इस समस्या पर ध्यान देने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जाये। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण लेवल-1 एवं लेवल-2 पर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। प्रकरणों का निराकरण गुणवत्तापूर्वक समय सीमा में करने को कहा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में सीएम हेल्पलाइन, विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों और अभियानों की समीक्षा कर रही थी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

डाइट में ब्रेल एवं सांकेतिक भाषा के प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, नरसिंहपुर गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आदेशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) नरसिंहपुर में जिले की शालाओं मे अध्ययनरत मूक-बधिर बच्चों के हित मे प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित ब्रेल एवं सांकेतिक भाषा के पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षण-अधिगम की नई दिशा से जोड़ना तथा शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांग बच्चों की शिक्षण रणनीतियों, सहायक उपकरणों के प्रयोग तथा समावेशी कक्षा के वातावरण निर्माण पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेंद्र सिंह नागेश ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों को संबोधित करते हुये कहा कि शिक्षकों मे वह क्षमता है जो विद्यार्थियों के जीवन को नया आकार दे सकते हैं आप वह चाणक्य हैं जो चन्द्रगुप्त बना सकते हैं उन्होंने शिक्षकों से दिव्यांग विद्यार्थियों के प्रति और अधिक संवेदनशीलता की अपील करते हुये कहा कि दिव्यांग बच्चे हमारे समाज का अमूल्य हिस्सा हैं। समापन कार्यक्रम मे प्रशिक्षण की नोडल अधिकारी एपीसी (समावेशी शिक्षा) श्रीमती अंजू शर्मा द्वारा प्रशिक्षण सम्बन्धी संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये बताया गया कि जिले मे कुल 60 मूक बधिर विद्यार्थी अध्ययनरत हैं जिनके प्रभावी शिक्षण को सुनिश्चित करने की मंशा से जिले के 30 शिक्षकों को सांकेतिक भाषा और 30 शिक्षकों को ब्रेल लिपि का पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है उन्होंने डाइट परिसर मे संचालित जिले के एकमात्र दिव्यांग छात्रावास का विवरण देते हुये प्रशिक्षु शिक्षकों के छात्रावास अवलोकन की भी जानकारी दी। समापन कार्यक्रम मे प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों द्वारा सांकेतिक भाषा एवं ब्रेल लिपि के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्यापन कराने के छोटे छोटे डेमो सेशन भी प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर जिला परियोजना समन्वयक मनीष चैकसे, वरिष्ठ व्याख्याता संजय शर्मा, श्रीमती अल्का शर्मा, श्रीमती श्रद्धा शुक्ला, गोविंद प्रसाद बड़कुर सहित समस्त डाइट स्टाफ उपस्थित रहा।

खेल/व्यापार

सम्मान बचाने उतरेगा भारत, विराट कोहली और शुभमन गिल पर रहेगी नजर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले को जीत भारत सम्मान बचाने उतरेगा। पिछले दो मैचों में विफल रहे कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली पर सभी की नजर होगी। पूर्व कप्तान और शानदार एंकर कोहली ने अभी तक इस सीरीज में अपना दबदबा नहीं दिखाया है, जबकि टीम की कप्तानी कर रहे गिल शीर्षक्रम में नियंत्रण बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके कंधों पर बहुत बड़ा बोझ है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाडि?ों की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हर मोर्चे पर पटखनी दी है। कोहली और रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं, ऐसे में दोनों ही बल्लेबाज सीरीज के अंतिम मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज का सुखद अंत करना चाहेंगे। कप्तान शुभमन गिल के लिए यह दौरा कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से भी अच्छा नहीं रहा है। गिल ने पहले दो मैच में कुल 19 रन ही बना पाए हैं। मध्य क्रम में के एल राहुल ने पहले और श्रेयस अय्यर ने दूसरे मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी लेकिन भारत इन दोनों के एक साथ प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगा। सिडनी में भारत को सार्थक चुनौती पेश करने के लिए कोहली को अपनी लय, टाइमिंग और दबदबा वापस आना होगा और गिल को पारी की शुरूआत में उदाहरण पेश करते हुए नेतृत्व करना होगी, ताकि बाद में आने वालों के लिए माहौल सेट हो सके। वहीं आत्मविश्वास से भरा हुआ ऑस्ट्रेलिया सीरीज का आखिरी मैच जीतकर क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान में उतरेगा है। मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड शुरूआती आक्रामकता प्रदान करते हैं, जबकि मैथ्यू शॉर्ट और मैट रेनशॉ बीच के ओवरों में पारी को स्थिरता देते हैं। कूपर कॉनली और मिशेल ओवेन फिनिशिंग पावर देते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि मोमेंटम कभी रुके नहीं। जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क, जेवियर बार्टलेट और एडम जम्पा की अगुवाई वाला गेंदबाजी आक्रमण सटीक और लगातार रहा है, जिससे पिछले दोनों मुकाबलों में भारतीय बल्लेबाज दबाव में रहे हैं। एकदिवसीय प्रारूप में दोनों के बीच कुल 154 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 86 में ऑस्ट्रेलिया और 58 में भारत को जीत मिली है। भारत में खेले गए 72 मुकाबलों में 34 में ऑस्ट्रेलिया और 33 में भारतीय टीम को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 56 मुकाबलों में 40 में कंगारू और 14 में भारत को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 26 मैचों में से 11 में भारत और 12 में ऑस्ट्रेलिया ने जीते है।

कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका ; भारत आक्रमण में धारा लेने के लिए कुलदीप यादव का रुख कर सकता है। बाएं हाथ के रिस्ट-स्पिनर की गेंद को दोनों तरफ घुमाने और इनिंग्स के आखिर में रफ पैच का फायदा उठाने की काबिलियत ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर को परेशान कर सकती है, खासकर मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह के साथ नई गेंद से, और बीच के ओवरों में वाशिंगटन सुंदर के कंट्रोल से। यह काफी हद तक कोहली और गिल के फॉर्म और अथॉरिटी में वापस आने पर निर्भर करता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की बात की जाये तो यह शुरूआत में सीम मूवमेंट और असमान उछाल ओपनर्स के लिए चुनौती पेश करते हैं। स्पिनर्स को बाद में फायदा मिलता है।

रुपया शुरूआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि विदेशी पूंजी की निकासी ने तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.78 पर खुला। फिर मामूली गिरावट के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.01 पर आ गया।

सोना 553, चांदी 1,051 रुपए सस्ती

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में लगातार तेजी के बाद अब गिरावट का सिलसिला जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार चांदी की कीमत में गुरुवार को को 1,051 रुपए प्रति किलो की गिरावट रही और यह 1,51,450 रुपए प्रति किलोग्राम परी बिकी। 14 अक्तूबर को चांदी की कीमत 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी, तब से इसमें 26,650 रुपए गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम गुरुवार को 553 रुपए घटकर 1,23,354 रुपए पर आ गया है। इससे पहले, 17 अक्तूबर के कारोबार में सोने ने 1,30,874 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। तब से इसमें 7,520 रुपए की गिरावट आ चुकी है। बता दें कि इस साल अब तक सोने की कीमत 47,192 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,23,354 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 65,433 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर, 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,51,450 रुपए प्रति किलो हो गई है।

सुबह-सुबह निगमायुक्त अहिरवार ने किया फील्ड निरीक्षण

आधे से अधिक सफाई कर्मी मिले गायब

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नगर निगमआयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज अधिकारियोंके साथ सुबह-सुबह भ्रमण कर लोगों को होने वालीपरेशानियों को जाना और चल रहे निर्माण कार्यों काजायजा लिया। आम लोगों से चर्चा में उन्होंने पाया किशहर में बने एनएमटी अव्यवस्थित हो गए हैं, जिन्हेंदुरुस्त करना आवश्यक है। उन्होंने तत्काल इसआशय के दिशा निर्देश जारी किए। मुख्य मार्गों कोअतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को भी सुगमबनाने संबंधी आदेश भी उन्होंने अधिकारियों कोनिगमायुक्त के निर्देश

सफाई को लेकर अनियमितता

निगमायुक्त ने कहा कि सफाई संरक्षकों की उपस्थितिलगातार चेक होती रहना चाहिए। इसके लिए वे स्वयंतिलहरी पहुंचे। यहां उन्हें आधे भीसफाई संरक्षक नहीं मिले। बताते हैंकि उन्हें चालीस के स्थान पर मात्रतेरह सफाई कर्मचारी मिले। यहीं सेउन्होंने संबंधित ठेकेदार को फोनलगाकर फटकार लगाई। उन्होंनेडिवाइडरों पर फुलवारी लगाने औरसफाई व्यवस्था दुरुस्त करने केआदेश दिए।

कटेगा एक दिन का वेतन

सफाई ठेकेदारों को व्यवस्था में सुधारलाने और आवंटित क्षेत्रों में भ्रमणकरने निगमायुक्त ने कड़ी हिदायत दी। उन्होंने कहा किअनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटाजाएगा। इसी तरह विद्युत पोलो पर अवैध रूप सेपोस्टर बैनर लगाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देशभी उन्होंने दिए। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार नेनिरीक्षण के दौरान होर्डिंग्स प्रभारी और अतिक्रमणअधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि आउटडोरमीडिया पॉलिसी के तहत संबंधितों के विरुद्ध पेनाल्टीलगाई जाए। कहा गया कि टैक्स की राशि में जोड़करइसकी वसूली की जाए। निगमायुक्त श्री अहिरवार केसाथ निरीक्षण के मौके पर अपर आयुक्त अरविंद शाह,अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभवअयाची, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र कौरव,कुलदीप तिवारी, अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से,सहायक यंत्री अभिनव मिश्रा, संतोष पांडे, अभिषेकतिवारी, दीप्ति भन्नारिया, सौरभ त्रिपाठी, सहायकस्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, पोला राव, दलप्रभारी लक्ष्मण कोरी आदि रहे उपस्थि थे।

अस्पताल में हो रही पुताई मरीजों की जान पर बन आई

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिला अस्पताल विक्टोरिया के आकस्मिकचिकित्सा परीक्षण कक्ष में चल रही पुताई केकारण मरीजों और उनके साथ आयेपरिजनों को बैठने तक जगह नहीं मिलरही। इसके कारण मरीजों और उनकेपरिजनों को परेशान होना पड़ रहा है।जिसकी वजह से उनमें विक्टोरिया प्रशासनके प्रति रोष भी दिखाई पड़ रहा था।

जमीन पर बैठना पड़ रहा

शारीरिक रूप से कमजोर और बीमारमराजों की चाहना होती है कि कमजोरी केकारण उन्हें बैठने का स्थान मिले, लेकिनऐसा नहीं हो पा रहा है। कई बार मरीजजमीन पर ही बैठ जाते हैं। मरीज औरउनके परिजनों कहना था कि उनके लिएवैकल्पिक व्यवस्था करना था जो कि नहींकी गई। मरीजों के परिजनों और केण्टोमेंटसे अपनी बच्ची का इलाज कराने आयीमहिला ने बताया कि उनकी बेटी को तेजबुखार है, और वह काफी देर खड़े रहने केकारण बहुत थक गई। इसके बाद भीबच्ची को काफी देर से गोद में लेकर खड़ीहै, लेकिन उसको कहीं बैठने तक जगहनहीं मिल रही है।

अनावश्यक लोगों का जमावड़ा

वहीं आकस्मिक चिकित्सा कक्ष के बाहरमरीज और परिजनों की काफी भीड़ लगीरही। इनमें कई अनावश्यक लोग भी होतेहैं। कई लोगों ने कक्ष में इलाज कर रहेस्टाफ से इस बात की शिकायत की,लेकिन इसके बाद भी विक्टोरिया प्रशासनने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।गौरतलब है कि विक्टोरिया अस्तपतालजिले के बीचोबीच होने के कारणअधिकांश लोग जिला अस्पताल पहुंचतेहैं, जिससे अस्पताल के आकस्मिकचिकित्सा कक्ष में लगातार और हर समयमरीज इलाज आते रहते है, वहीं पुलिसदुर्घटना होने पर घायलों को इसीअस्पताल में लेकर पहुंती है।

धोखाधड़ी और उत्पीड़न की शिकार महिला ने खटखटाया पुलिस का दरवाजा

विक्रेता पर दुकान का नामांतरण न करने और धमकी देने का आरोप

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रांझी क्षेत्र की एक व्यवसायी महिला अनुश्री यादव ने थाना रांझी में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके साथ दुकान खरीद-फरोख्त के सौदे में धोखाधड़ी की गई है और अब उन्हें मानसिक एवं शारीरिक रूप से परेशान किया जा रहा है।शिकायत में अनुश्री यादव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में कैलाश केसरवानी एवं अनिल केसरवानी से रांझी स्थित एक दुकान का सौदा 50 लाख में किया था। अनुबंध के अनुसार उन्होंने 33 लाख की राशि क्रञ्चत्रस्-से और 17 लाख के चेक विक्रेताओं को दिए थे। इसके बावजूद आज तक दुकान का नामांतरण उनके नाम नहीं किया गयउन्होंने आगे बताया कि 24 जुलाई 2025 को 25 लाख की अतिरिक्त राशि विक्रेताओं को क्रञ्चत्रस्- के माध्यम से दी गई थी, जिसके बाद उन्हें दुकान का कब्जा दे दिया गया था। कब्जा मिलने के बाद कैलाश केसरवानी को एक माह के लिए 200 प्रतिदिन किराये पर दुकान से 10 फीट दूर चाट का ठेला लगाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन अब वह व्यक्ति न तो किराया दे रहा है और न ही ठेला हटाने को तैयार है।अनुश्री यादव का आरोप है कि कैलाश केसरवानी जानबूझकर उनकी दुकान के सामने ठेला लगाकर गंदगी फैलाता है और व्यापार में बाधा डालता है। जब भी उसे हटाने को कहा जाता है, वह गाली-गलौज करता है और धमकी देता है कि "जो करना है कर लो। महिला ने यह भी बताया कि इससे पहले भी उन्होंने दोनों व्यक्तियों की धोखाधड़ी की शिकायत थाना रांझी में दर्ज कराई थी, परंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

कानून व्यवस्था पर सवाल – एक ही दिन में चाकूबाजी और फायरिंग की कई वारदातें

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर में अपराधियों के हौसलेइस कदर बुलंद हैं कि, 24 घंटे मेंआधा दर्जन से अधिक चाकूबाजीऔर एक जगह गोली मारने कीवारदातें सामने आई हैं। शहर सेदेहात के कई इलाकों में विवाद,झगड़ों के बाद चाकूबाजी की घटनाएं लगातार हो रही हैं।पुलिस ने घायलों की शिकायत पर एफआईआर करते हुएफरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।रांझी पुलिस ने बताया कि राधा बाई कोल निवासीबडा पत्थर दुर्गा मंदिर रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रातलगभग 11 बजे अपने घर मे थी घर के बाहर रोड में खडेहोकर मोहल्ले का आयुष कोल शराब पी रहा था उसनेआयुष कोल के घर के सामने शराब पीने के लिए मनाकिया तो आयुष कोल ने जान से मारने की नियत से चाकूसे हमला कर दिया। बरेला पुलिस ने बताया कि शेख शानूनिवासी बस स्टेण्ड बरेला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह खेतीकिसानी का काम करता है अपने साथी अशोक दुबे,हर्षितदुबे के साथ बाइक से ग्रामदेवरी पटपरा जा रहे थे।रास्ते में लूट के इरादे सेआए युवकों ने चाकू सेहमला कर दिया। मेडिकलमें भर्ती घायल नमन दीक्षितनिवासी न्यू राजीव नगरचेरीताल ने पुलिस कोबताया कि वह अपने साथी सोमिल पटैल, साहिल बर्मनके साथ बल्देवबाग में चाय पीकर अपने घर लौट रहे था,जैसे ही न्यू राजीवनगर चेरीताल शोभा पटेल के घर केसामने पहुंचे, तभी प्रशांत पटैल एव गप्पू पटेल ने चाकू सेजान से मारने की नियत से हमलाकर सोमिल पटेल कोगर्दन, पेट में चोटें पहुंचा दी।इसी तरह खितौला थाना क्षेत्र, संजीवनी नगर थाना क्षेत्रसहित पनागर थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की वारदातें हुईं हैं।पनागर पुलिस ने बताया कि देर रात यश कुमार वंशकारनिवासी बड़ी खेरमाई पनागर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बतायाकि राज कुशवाहा निवासी छोटी खेरमाई ने रूपयों की मांगकरते हुए चाकू से हमला कर दिया।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ रोजगार मेला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार के मुख्य आतिथ्य में आज भंवरताल उद्यान के समीप कल्चरल स्ट्रीट स्थित संस्कृति थियेटर में रोजगार मेला संपन्न हुआ। जिसमें जबलपुर व आस-पास के जिलों के 95 युवाओं को नियुक्तिपत्र सौंपे गये। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मिक, सांसद श्री आशीष दुबे सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि रोजगार मेला के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकारी नौकरियों में चयनित 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। सरकार देश के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए संकल्पित है। युवाशक्ति देश के विकास में अहम भागीदार बन रहे हैं। केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर रही है। सरकार सिर्फ रोजगार ही नहीं बल्कि उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि उनकी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग हो सके। युवा अपने सामर्थ्य के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। भारत के आर्थिक विकास को दुनिया में सराहा जा रहा है, दुग्ध उत्पादन में भारत विश्व में सबसे आगे है, साथ ही अब सबसे ज्यादा मोबाईल फोन बनाने वाला देश भी बन गया है। कृषि क्षेत्र के साथ अन्य विभिन्न क्षेत्रों में भी देश प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र युवाओं की ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है।

सांसद श्री दुबे ने कहा कि देश के लगभग 60 प्रतिशत युवाओं का है। भारत को वैभवशाली व गौरवशाली बनाने के लिए युवाओं का अहम स्थान है। वैश्विक स्तर पर आज भारत अपनी अलग पहचान बना रहा है। इसके साथ ही उन्होंने युवा शक्ति के सामर्थ्य के संबंध में ओजस्वी विचार दिये। रोजगार मेले में रेल, डाक, बैंक आदि विभिन्न क्षेत्रों में चयनित युवा नियुक्तिपत्र पाकर अपनी प्रसन्नता जाहिर किये।

छठ पूजा पर ट्रेनों में भीड़ का सैलाब

आरक्षित कोच जनरल जैसे बने, बाथरूम तक में बैठकर सफर कर रहे यात्री

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। छठ पूजा के लिए इस साल भारतीय रेलवे ने हजारों विशेष ट्रेनें चलाई हैं वहीं जबलपुर रेलवे स्टेशन के बाहर देखने पर सब व्यवस्थित लगता है कि यात्रियों के लिए टेंट लगाए गए हैं।रिजर्वेशन और जनरल बोगी वालों को अलग-अलग लाइनों में प्रवेश कराया जा रहा है ताकि स्टेशन पर भीड़ ना हो, यात्रियों के वेटिंग एरिया को व्यवस्थित किया गया है, हर तरफ आरपीएफ के जवान भी मौजूद हैं लेकिन असल खराब हालत और खस्ता व्यवस्था ट्रेन के भीतर और खासतौर से जनरल बोगी में दिख रही है।जहां दरवाजा खुलवाने के लिए धक्का-मुक्की, भीतर जाने के लिए लड़ाई और एक जगह से दूसरी जगह जाने तक की जगह नहीं है। उल्लेखनीय है कि छठ पूजा के लिए पूरे भारत से लोग बिहार की तरफ जा रहे हैं भारतीय रेलवे का दावा है कि हजारों ट्रेन चलाई जा चुकी हैं लेकिन ट्रेन की जनरल बोगी तमाम दावों की पोल खोल रही है। बता दें कि छठ महापर्व को लेकर बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों का सैलाब रेलवे स्टेशनों पर उमड़ पड़ा है। स्थिति यह है कि जबलपुर से बिहार पटना भागलपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया और समस्तीपुर जाने वाली सभी ट्रेनों में पैर रखने की जगह तक नहीं बची है।

जनरल कोच जैसे हो गए आरक्षित डिब्बे

आरक्षित डिब्बे तक जनरल कोच जैसे नजर आ रहे हैं। लोग बाथरूम तक में घुसकर यात्रा कर रहे हैं। यात्रियों की भारी भीड़ के बीच प्लेटफार्मों पर भी अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।छठ पर्व बिहारियों की आस्था और भावनाओं से जुड़ा प्रमुख पर्व है। इस कारण हर साल की तरह इस बार भी हजारों की संख्या में प्रवासी लोग अपने घर लौट रहे हैं।

कोच के अंदर जाने में करनी पड़ रही कड़ी मशक्कत

हालांकि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा अनेक स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है बावजूद इसके आरक्षित टिकट के यात्रियों को अपनी सीट तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है यात्रियों को कोच के अंदर जाने में कड़ी मशक्कतो का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि गैलरी और कोचों के दरवाजों तक पर लोग बैठे हुए हैं।जबलपुर स्टेशन में बिहार जाने वाली ट्रेनों के प्लेटफार्म यात्रियों से खचाखच भरे नजर आ रहे हैं। टिकट खिड़कियों पर लंबी कतारें और वेटिंग लिस्ट सैकड़ों के पार पहुंच चुकी हैं। कई यात्रियों ने बताया कि वे पिछले कई दिनों से रिजर्वेशन कराने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन सीट नहीं मिल पा रही। मजबूरन जनरल डिब्बों में किसी तरह सफर कर रहे हैं। हाल यह है कि लोग दरवाजों, छज्जों और यहां तक कि शौचालयों में बैठकर सफर कर रहे हैं। छठ पूजा के लिए घर लौटने की ललक ऐसी है कि तमाम मुश्किलों के बावजूद लोग किसी तरह अपने गंतव्य तक पहुंचने को बेताब हैं। रेल प्रशासन के लिए यह भीड़ एक बड़ी चुनौती बन गई है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

पूर्व जिलाध्यक्ष व किसानों ने कलेक्टर से मझगवा लैंप्स प्रबंधक यादवेंद्र को हटाने की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मझगवा (फुनगा) के प्रबंधक यादवेंद्र गौतम को हटाने जाने के सम्बन्ध में रमेश सिंह पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष के साथ कई गांव के किसानों ने जिला कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर दिलीप पाण्डेय को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में मझगवा लैंप्स प्रबंधक यादवेंद्र मिश्रा पर धनगंवा,धनपुरी,मंटोलिया, बनगवा,पसला, बिजौडी,कोलमी,रक्सा,फुनगा के किसानों ने आरोप लगाया है कि प्रबंधक द्वारा किसानों को समय पर खाद,चेक ना देने तथा उनका बकाया ऋण जमा नहीं करने के साथ ही अन्य कई कार्यों को लेकर किसानों को हमेशा ही परेशान करना आम बात हो गई है,जिसके कारण हम सभी किसान प्रबंधक यादवेंद्र गौतम से काफी परेशान हो चुके है,ऐसा प्रतीत होता है कि कभी कोई अप्रिय घटना न घटित हो जाए। लैंप्स प्रबंधक के कृत्यों से परेशान किसानों द्वारा जिला कलेक्टर से मांग की गई कि उक्त परिस्थितियों को देखते हुए मंझगवा लैंप्स प्रबंधक को तत्काल हटाने की की कार्यवाही की जाए।

इनका कहना है

मेरा कार्यक्षेत्र धनगवा पैक्स मंझगवा अंतर्गत आता है,मेरी शिकायत है कि समिति प्रबंधक यादवेंद्र गौतम द्वारा समय पर ऋण/नगद प्रदाय नहीं किया जाता है,एवं अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है,इनका स्थानांतरण अन्यत्र कही कर दिया जाए।

कनक दास पटेल, ग्राम मझगवां

मेरे द्वारा समिति से नियमित लेन देन किया जाता है,मेरे द्वारा दिनांक 18/06/2025 को रु.20886/ अपना कर्ज बालकृष्ण मिश्रा के पास जमा किया किंतु आज दिनांक तक मुझे रशीद प्रदान नहीं किया गया है।

तेजबली पटेल, ग्राम धनगवा

मेरे द्वारा पैक्स मंझगवा अंतर्गत खाद,बीज,नगद ऋण का लेन देन किया जाता है,मै समय अवधि में अपना ऋण प्रबंधक यादवेंद्र गौतम को जमा करता हूँ,परन्तु दिनांक 27/05/2025 को रु.10000/ एवं दिनांक 24/06/2025 को रु. 4000/ जमा किया गया है,किंतु ऋण आज भी बकाया बताया जा रहा है।

कश्मणी पटेल, ग्राम धनगवा

दुर्घटना में दो सगे भाइयों की हुआ दर्दनाक मौत

अमिलिया गांव में छाया मातम, ओबीसी संगठन जिला अध्यक्ष पहुंचे सांत्वना देने

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमिलिया निवासी भुयार परिवार के दो सगे भाई विवेक बैगा (उम्र लगभग 30 वर्ष) एवं विनोद बैगा उम्र लगभग 27 वर्ष का बीती रात सड़क दुर्घटना में दर्दनाक निधन हो गया। बताया गया कि दोनों भाई किसी कार्य से कर्की जयसिंहनगर की ओर गए हुए थे, तभी अचानक हुए हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। दोनों मृतकों के शवों का शहडोल जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शवों को गांव अमिलिया लाया गया। पूरे क्षेत्र में इस हृदयविदारक घटना से शोक की लहर दौड़ गई। कल दोनों भाइयों का अंतिम संस्कार पूरे गांव की मौजूदगी में किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान ओबीसी संगठन के जिला अध्यक्ष श्री बालकदास पटेल स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने मृतक परिवार को ढांढस बंधाया तथा ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिवार को इस गहन दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गांव में दोनों भाइयों के निधन से गमगीन माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि विवेक और विनोद दोनों ही मिलनसार और मेहनती युवक थे, जिनके अचानक चले जाने से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है।

नर्मदा नदी के रामघाट पर उतराता हुआ अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक के पवित्र नर्मदा नदी के रामघाट दक्षिण तट पर शुक्रवार को एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति (आयु लगभग 55झ60 वर्ष) का शव तैरता हुआ मिला। शव राम सेतु झूला पुल के नीचे नदी में उतराता दिखाई दिया, जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस को पास में ही एक ऊनी स्वेटर, चादर और जूते रखे हुए मिले हैं। मृतक के पास से सुनहरे रंग का पर्स तथा साल वृक्ष की लकड़ी से बनी चिलमनुमा चोंगी भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार मृतक ने आसमानी रंग की फुल शर्ट, काले रंग की जींस पैंट पहन रखी थी और कमर में बेल्ट बंधी हुई थी। हाथ में कलावा बंधा हुआ है, सर के बीच के हिस्से में बाल नहीं हैं, रंग सांवला है और लंबाई लगभग 5 फुट 3 इंच बताई गई है। स्थानीय लोगों एवं पुलिस ने मृतक की पहचान के प्रयास किए, परंतु अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा तैयार किया और विच्छेदन उपरांत कफन-दफन की प्रक्रिया प्रारंभ की है। घटना की विवेचना उप निरीक्षक पी.एस. बघेल एवं सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव द्वारा थाना प्रभारी नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी के निर्देशन में की जा रही है।

मां नर्मदा के पावन तट पर, शांति कुटी आश्रम में आरंभ हुई सप्त दिवसीय श्री नर्मदा महापुराण कथा

भक्ति, संगीत और आस्था का अद्भुत संगम, गूंज उठा आश्रम ह्लहर हर नर्मदेह्व के जयघोष से

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। नर्मदा उद्गम की पवित्र भूमि अमरकंटक में स्थित श्री शांति कुटी आश्रम का वातावरण इन दिनों अलौकिक आध्यात्मिक आभा से आलोकित है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से सप्तदिवसीय श्री नर्मदा महापुराण कथा का मंगलारंभ हुआ है, जो 29 अक्टूबर (अष्टमी तिथि) तक चलेगी। कथा का यह दिव्य आयोजन मीरा गोस्वामी, शरद गोस्वामी, प्राची वैभव मिश्रा एवं उमा वीरेंद्र मिश्रा द्वारा अपने भ्राता स्वर्गीय देवकीनंदन गोस्वामी की पावन स्मृति में संपन्न कराया जा रहा है। इस कथा का संगीतमय, रसपूर्ण अमृतवर्षा सागर (म.प्र.) के मगरोन से पधारे सुप्रसिद्ध कथा वाचक एवं गौसेवक पंडित बृजेश दुबे महाराज अपने मधुर कंठ से कर रहे हैं। कथा के प्रारंभ से पूर्व आश्रम से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई – गाजे-बाजों, शंखध्वनि और जयघोषों के साथ भक्तों की टोलियाँ मां नर्मदा के उद्गम स्थल की ओर बढ़ीं। सुहावने भक्ति वातावरण में सजी महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में कलश धारण कर नाचती-गाती, भजनों की मधुर लहरियों में लीन रहीं। नर्मदा कुंड मंदिर पहुंचकर विधिपूर्वक कलश पूजन एवं नर्मदा पुराण की आराधना संपन्न हुई। तत्पश्चात शोभायात्रा पुनः आश्रम लौटी, जहाँ आरती और मंगलध्वनि के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। आश्रम प्रांगण में हर दिशा से भक्ति की सुगंध, दीपों की आभा और मां नर्मदा की कृपा झलक रही है। कथा श्रवण के समय भक्तजन भाव-विभोर होकर मां के चरणों में अपने हृदय अर्पित कर रहे हैं। यह सप्तदिवसीय श्री नर्मदा महापुराण कथा 29 अक्टूबर को पूर्णाहुति, हवन और महाभंडारे के साथ संपन्न होगी।

सुसाइड नोट लिखकर, बीमारी के कारण पाल स्वीट्स संचालक ने की आत्महत्या

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिला मुख्यालय से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मिठाई कारोबार में अपनी पहचान बना चुके पाल स्वीट्स के संचालक मनोरंजन पाल ने शुक्रवार की सुबह अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से घुटनों की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे, हाल ही में उन्होंने ऑपरेशन भी कराया था, लेकिन दर्द और चलने-फिरने में असमर्थता ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया,बीमारी से परेशान व्यवसायी ने सुसाइड से पहले एक प्रिंटेड सुसाइड नोट छोड़ा , पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शहर के वार्ड क्रमांक 23, शास्त्री नगर निवासी एवं प्रसिद्ध पाल स्वीट्स के संचालक मनोरंजन पाल ने शुक्रवार की सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ समय से घुटनों में तेज दर्द और चलने-फिरने की समस्या से बेहद परेशान थे, हाल ही में उन्होंने घुटनों का ऑपरेशन कराया था, पर डॉक्टरों की सलाह के बावजूद वे सामान्य रूप से चल नहीं पा रहे थे, करीबी सूत्रों के अनुसार, इस मानसिक और शारीरिक पीड़ा ने मनोरंजन पाल को इतना तोड़ दिया कि उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया, घटना से पहले उन्होंने एक प्रिंटेड सुसाइड नोट भी छोड़ा है। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सुसाइड नोट की भी जांच कर रही है, ताकि मौत के पीछे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके।

प्रबंधन पर लापरवाही का लगा आरोप, जिला अस्पताल में ब्लड न मिलने से युवक की हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिला अस्पताल से एक शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां 20 वर्षीय युवक की मौत ब्लड के अभाव में हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उन्होंने बार-बार अस्पताल प्रबंधन से ए पॉजिटिव ब्लड की गुहार लगाई, लेकिन समय पर रक्त न मिलने से युवक ने दम तोड़ दिया। मामला गोहपारू निवासी राहुल पनिका (उम्र 20 वर्ष) का है, जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया था। डॉक्टरों ने उसे तत्काल ए पॉजिटिव ब्लड चढ़ाने की सलाह दी थी, लेकिन परिजनों का कहना है कि उन्होंने ब्लड के इंतजार में अस्पताल के चक्कर लगाए, बावजूद इसके समय रहते रक्त की व्यवस्था नहीं हो सकी। परिजनों के अनुसार, राहुल को कल सुबह भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने कहा कि ब्लड की जरूरत है। हमने ब्लड बैंक और डोनर से संपर्क किया, लेकिन अस्पताल की ओर से कोई सक्रियता नहीं दिखाई गई। आखिरकार ब्लड न मिलने से उसकी सांसें थम गईं। युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में शव रखकर मौन विरोध जताया। लोगों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही और मानवता की अनदेखी के आरोप लगाए। कुछ देर बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। वहीं जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ का कहना है कि युवक गंभीर अवस्था में लाया गया था और उसकी मौत ब्लड की कमी से नहीं हुई। उन्होंने कहा कि राहुल को ब्लड चढ़ाने की तैयारी थी, लेकिन तब तक उसकी स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी थी। ब्लड अरेंज होने में थोड़ा समय लगा और इसी बीच उसकी मौत हो गई। इस घटना ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहडोल जैसे संभागीय मुख्यालय में अगर एक युवक ब्लड के इंतजार में दम तोड़ देता है, तो यह न केवल स्वास्थ्य तंत्र की विफलता है बल्कि मानवता पर एक करारा प्रहार भी है।

दो युवक फकीर बनकर गृह दोष मिटाने का महिला को दिया झांसा, सोने के आभूषण व नगदी ठगकर हुए फरार

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र के मालवीय चौक के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां दो युवकों ने फकीर का रूप धारण कर गृह दोष मिटाने का झांसा देकर महिला को हिप्नोटाइज किया और उनसे सोने के आभूषण व नगदी ठगकर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, ठगी का शिकार हुईं महिला आशा मिश्रा, स्थानीय पत्रकार प्रतीक मिश्रा की माता हैं। वह प्रेस कॉलोनी से बाणगंगा की ओर अपने रिश्तेदार के घर जा रही थीं, तभी रास्ते में दो युवक मिले। युवकों ने खुद को फकीर बताते हुए कहा कि ह्लआपके घर में ग्रह दोष है, देवी दर्शन के लिए 25 कदम चलना होगा, और इसके लिए गहने उतारने होंगे। महिला अंधविश्वास और डर के चलते झांसे में आ गईं। इसी बीच एक युवक ने उनकी सोने की चैन, झुमके और 700 रु नकद लेकर रफूचक्कर हो गया, जबकि दूसरा युवक भी मौके से गायब हो गया। वारदात कोतवाली थाना से महज कुछ ही दूरी पर हुई, जिससे पुलिस की गश्त पर भी सवाल उठने लगे हैं। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल उउळश फुटेज खंगालना शुरू किया और आरोपियों की तलाश में टीम गठित की गई है। बताया जा रहा है कि शहर में हिप्नोटाइज कर ठगी की यह दूसरी बड़ी वारदात है। इससे पहले भी कुछ माह पूर्व इसी तरह एक महिला से आभूषण लूट लिए गए थे। स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद आक्रोश और भय का माहौल है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी अनजान व्यक्ति या फकीर के झांसे में न आएं, और इस तरह की घटनाओं की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

रील बनाना, हवाई फायरिंग का वीडियो पड़ा भारी, चाचा, भतीजा पहुँचे थाना, कलेक्टर ने लाइसेंस किया निरस्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में सोशल मीडिया पर रील बनाना इस बार एक युवक को भारी पड़ गया। शहडोल जिले के खैरहा थाना क्षेत्र के छिरिहटी गांव में रहने वाले राहुल गुप्ता ने अपने गार्ड चाचा की बंदूक से हवाई फायरिंग कर वीडियो बनाया और उसे व्हाट्सएप स्टेटस पर लगा दिया, वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, राहुल गुप्ता के चाचा एक निजी संस्था में गार्ड के पद पर पदस्थ हैं। उनके पास दो नली बंदूक है। बताया जा रहा है कि चाचा की मौजूदगी में ही राहुल ने बंदूक से हवाई फायर किया, इस दौरान दोनों ने मोबाइल पर रील भी बनाई। वीडियो में राहुल बंदूक चलाते हुए फिल्मी अंदाज में पोज दे रहा है और उसके चाचा मुस्कुराते हुए पास में खड़े दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। मामला पुलिस तक पहुंचा तो खैरहा पुलिस ने चाचाझभतीजे दोनों को थाने बुलाकर पूछताछ शुरू की, पुलिस का कहना है कि वीडियो में दिखाई दे रही बंदूक की लाइसेंस और समयावधि की भी जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि यह वीडियो पिछले वर्ष का बताया जा रहा है, जो अब किसी ने दोबारा शेयर कर वायरल कर दिया है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या बंदूक का उपयोग नियमों के विपरीत तरीके से किया गया था, पुलिस ने चेतावनी दी है कि हथियारों के साथ रील बनाना और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. केदार सिंह ने आदेश जारी कर सोशल मीडिया में वायरल हवाई फायर पर राजेन्द्र कुमार गुप्ता आत्मज नर्बदा प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम छिरहटी पोस्ट राजेन्द्रनगर तत्कालीन थाना बुढ़ार वर्तमान थाना खैरहा जिला शहडोल को स्वीकृत लाइसेंस शस्त्र अनुज्ञप्ति की विहित शर्तों का उल्लंघन किये जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

कोदो-कुटकी के समर्थन मूल्य पर विक्रय के लिए किसानों के पंजीयन की तिथि बढ़ी, किसान 31 अक्टूबर तक करा सकेंगे पंजीयन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर बालाघाट जिले के इतिहास में पहली बार किसानों से मोटे अनाज कोदो-कुटकी का शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जायेगा। जिले में कोदो कुटकी के समर्थन मूल्य पर पंजीयन की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर निर्धारित की गई थी, जिसे अब शासन के निर्देशानुसार बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दिया गया है। इसके लिए जिले में कोदो-कुटकी का उत्पादन करने वाले किसान भाइयों से अपील की गई है कि वे असुविधा से बचने, अंतिम तिथि के पहले ही 31 अक्टूबर तक अपना पंजीयन अवश्य करवा लें। उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि कोदो-कुटकी का उत्पादन करने वाले किसानों के पंजीयन के लिए 05 पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं। इसमें बिरसा विकासखंड के सेवा सहकारी मर्यादित समिति दमोह, लांजी विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित सालेटेकरी, बैहर विकासखंड के आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बैहर, परसवाड़ा विकासखंड के आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था उकवा तथा बालाघाट, किरनापुर, वारासिवनी, लालबर्रा कटंगी एवं खैरलांजी के लिए सेवा सहकारी समिति मर्यादित पायली को पंजीयन केंद्र निर्धारित किया गया है। इन केन्द्रों पर कृषकों द्वारा पंजीयन कराया जा सकता है और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

श्री अन्न उत्पादक जिले के कृषकों से श्री अन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्री अन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। खरीफ-2025 में उत्पादित श्री अन्न कुटकी 3500 रूपये प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से खरीदा जायेगा। इसके अतिरिक्त कृषको को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से संबंधित कृषकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय किया जायेगा।

संस्कृति के नाम पर अश्लीलता का ग्रहण

मंडई मेला में छत्तीसगढ़ी व शायरी कार्यक्रम की आड़ में फूहड़ डांस जिम्मेदार बने मूकदर्शक, समाज हित में त्वरित कार्रवाई की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स लालबर्रा। लोक संस्कृति और परंपरा के प्रतीक माने जाने वाले मंडई मेला में छत्तीसगढ़ी व शायरी सांस्कृतिक कार्यक्रम की आड़ में खुलेआम अश्लीलता परोसे जाने का गंभीर मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ी नाइट या लोक कला मंच के नाम पर कार्यक्रम संचालक द्वारा मर्यादा भंग करते हुए, फूहड़ फिल्मी गानों पर अश्लील नृत्य (बार बालाओं का डांस) कराया जा रहा है, जिससे न केवल स्थानीय संस्कृति धूमिल हो रही है, बल्कि समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की आड़ में मर्यादा का उल्लंघन

मंडई मेला की अपनी एक अलग ही पहचान है, मंडई मेला में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग, विशेषकर परिवार, बच्चे और महिलाएं हमारी समृद्ध संस्कृति को देखने आते हैं। छत्तीसगढ़ी व शायरी कार्यक्रम का उद्देश्य लोक कला, गीत और नृत्यों को मंच प्रदान करना है, लेकिन कार्यक्रम संचालकों द्वारा सस्ते मनोरंजन और अधिक भीड़ जुटाने के लिए इस पावन मंच का दुरुपयोग किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों और संस्कृति प्रेमियों का कहना है कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली लोक कला को बढ़ावा देने के बजाय, खुले मंच पर आपत्तिजनक वेशभूषा और भद्दे इशारों के साथ किए जा रहे नृत्य ने लोगों को शर्मसार कर दिया है। कई परिवारों ने बच्चों को साथ लेकर आने से परहेज करना शुरू कर दिया है।

प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल

सबसे अधिक चिंताजनक स्थिति यह है कि इतने बड़े सार्वजनिक आयोजन में हो रही इस अश्लीलता पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस के जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुमति देते समय स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाते हैं कि किसी भी प्रकार का अश्लील प्रदर्शन न हो, बावजूद इसके, देर रात तक ये कार्यक्रम बेरोकटोक चलते रहते है। यह स्थिति सरकारी व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। सवाल यह है कि जब समाज और संस्कृति को दूषित करने वाले ऐसे कार्यक्रम खुलेआम आयोजित हो रहे हैं, तो प्रशासन का नैतिक दायित्व कहाँ चला गया हैड़ क्या चंद पैसों के लाभ के लिए हमारी सांस्कृतिक धरोहर की गरिमा को दांव पर लगाया जा सकता है।

समाज हित में मांग

संस्कृति और समाज की शुचिता को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर मामले का संज्ञान लें और प्रशासन को तत्काल ऐसे कार्यक्रम संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए, जिन्होंने अनुमति की शर्तों का उल्लंघन किया है। सांस्कृतिक मंचों पर अश्लीलता रोकने के लिए कठोर नियम बनाए जाएं और आयोजकों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों को आगे आकर हमारी लोक कला को उसके मूल स्वरूप में प्रस्तुत करने के लिए पहल करनी चाहिए। संस्कृति किसी भी समाज की आत्मा होती है, और इसे विकृत होने से बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन को तुरंत अपनी चुप्पी तोड़कर, समाज हित में कठोर कदम उठाने चाहिए ताकि भविष्य में मंडई मेले जैसे पवित्र मंचों का दुरुपयोग न हो सके।

बिरसा जनपद के ग्राम जगला में लगाया गया जनसमस्या शिविर, अधिकारियों ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

कुल 85 आवेदकों के साथ जनसमस्या शिविर हुआ आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के नेतृत्व में 24 अक्टूबर को जनपद पंचायत बिरसा के ग्राम पंचायत जगला में जनसमस्या निवारण एवं वनाधिकार तथा आधार संबंधी विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्राम पंचायत जगला के साथ-साथ, आस-पास की ग्राम पंचायत डोंगरिया, गोवारी, छपला, मंडई और हर्राभाट के ग्रामीण भी अपनी समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए।

शिविर में एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता, एसडीओपी करणदीप सिंह, जनपद पंचायत बिरसा अध्यक्ष श्रीमती सविता धुर्वे, उपाध्यक्ष हेमंत साहू, तहसीलदार बिरसा राजूलाल नामदेव, जनपद पंचायत बिरसा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभारी नागेंद्र सिंह धुर्वे, थाना प्रभारी बिरसा रेवल सिंह बरडे एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण कराया।

शिविर में मुख्य मार्ग से आगर मोहल्ला जगला तक सुदूर सड़क की मांग की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत नवीन आवास की मांग को लेकर ग्रामीण आए हुए थे। जिस पर ब्लॉक समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना को निर्देशित किया गया कि वे शीघ्र प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। शिविर में ग्रामीणों द्वारा नल-जल योजना से जल दिलाने, पेंशन योजना का लाभ दिलाने, राशन कॉर्ड बनाने, राशन के लिए पात्रता पर्ची दिलाने, वन अधिकार पट्टा दिलाने, लाडली बहना योजना का लाभ दिलाने, धान खरीदी पंजीयन की तिथि बढ़ाने, ग्राम जगला के जंगल में अवैध कटाई रोकने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए गए। इस पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए।

शिविर में ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। अत: उनके गांव में अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाए। ग्राम खूंटाटोला में नवीन प्राथमिक शाला भवन की मांग की गई। इसी प्रकार जगला के कांटाबेहरा में नवीन आंगनवाड़ी भवन की मांग की गई। इस पर बिरसा के बीआरसी एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी को शासन के मापदंड के अनुरूप प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। शिविर में 03 बालिकाओं को लाडली लक्ष्मी योजना के स्वीकृत पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही 03 बच्चों को पोषण कीट भी प्रदाय किये गए। इसी प्रकार कृषि विभाग की ओर से 02 किसान शंकरलाल टेंभरे एवं रामजी मेरावी को तिलहन योजना के अंतर्गत 05-05 किलो राई का बीज प्रदान किया गया। किसानों के फसलों में लगे हुए रोग के प्रकोप को देखते हुए राजस्व विभाग को सर्वे करने के लिए निर्देशित किया गया।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 90 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और मरीजों को नि:शुल्क दवाई दी गई। इसी प्रकार पशु चिकित्सा विभाग के द्वारा 24 पशु पालकों को औषधि वितरण किया गया। इस विशेष शिविर में विभिन्न विभागों को कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में उच्च अधिकारियों के साथ ही संबंधित पंचायत के सरपंच, पंच एवं समस्त ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

ग्रामीणों को कंबल एवं अन्य सामग्री बाटकर मनाया जन्मदिन जन्मदिन पर जरूरतमंदों को दे सामग्री अंकुश चौहान

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । जन्मदिन के अवसर पर लोगों के द्वारा बड़ी-बड़ी पार्टी कर हजारों रुपए बेवजह बर्बाद कर दिए जाते हैं। जिसका किसी प्रकार से कोई औचित्य नहीं होता परंतु वही जन्मदिन को अगर हम दूसरी तरीके से मनाए तो निश्चित ही लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। बालाघाट जिले के युवाओं के द्वारा इन दिनों एक अनोखी पहल चलाकर वनांचल क्षेत्र में निवास कर रहे ग्रामीणों के साथ जन्मदिन मनाकर कंबल एवं अन्य राहत सामग्री बाटकर सराहनी संदेश देने का कार्य किया जा रहा है जिससे लोगों का जुड़ाव बढ़ रहा है। और अपने जन्मदिन के अवसर पर युवाओं के द्वारा यह पहल को बढ़ाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

ग्राम कोटा में कंबल वितरण कर काटा गया केक

चांगोटोला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पादरीगंज के वन ग्राम कोटा में पत्रकार अंकुश चौहान ने अपने जन्मदिन के अवसर पर युवा साथियों के साथ मिलकर ग्रामीणों को राहत सामग्री के तौर पर बढ़ती ठंड को देखते हुए कंबल बच्चों के लिए चप्पल तथा अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया रात के करीब 8 बजे ग्राम में जाकर युवाओं ने जब ग्रामीणों को एकत्रित किया तो ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी क्योंकि विगत कोरोना काल के समय भी युवा साथियों के द्वारा कोटा ग्राम के ग्रामीणों की मदद की गई थी तो वह जन्मदिन पर ये पहल से काफी उत्साहित होकर आशीर्वाद प्रदान किया ग्रामीणों के द्वारा ग्राम की परेशानी भी साझा की गई जिसको लेकर आने वाले समय में निश्चित ही काम किए जाएगा।

खराब रास्ता और नदी के कारण होती है परेशानी

वन ग्राम कोटा हाईवे सड़क से लगभग 5 किलोमीटर जंगल के अंदर है जहां जाने के लिए वर्तमान में रास्ता तक नहीं है खस्ताहाल रास्ते से होकर ग्रामीण रोजाना आना-जाना करते हैं। क्योंकि रास्ता वन विभाग के अंतर्गत आता है तो वह वन विभाग की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह रास्ते को जल्द से जल्द दुरुस्त करने का कार्य करें ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जाते हुए गिर जाते हैं प्रशासन अति शीघ्र ग्राम की समस्या को ध्यान में रखते हुए कोई विकल्प निकले ताकि ग्रामीणों को अत्यधिक संघर्ष न करना पड़े।

सामग्री वितरण के समय यह रहे उपस्थित

जन्मदिन मनाने के बाद ग्रामीणों को राहत सामग्री बांटने के लिए अंकुश चौहान पत्रकार, लेखचंद बघेले सरपंच पति गुडरू, राकेश बसेने, पीयूष चौहान, आदित्य माड़वी, भगवानदास, सहित लगभग 15 युवा साथी उपस्थित रहे।

जनसमस्या निवारण शिविर स्वास्थ्य विभाग ने 90 मरीजों का किया उपचार

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । बिरसा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जगला में कलेक्टर मृणाल मीना के दिशा निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक सर्राफ के मागदर्शन में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर सामान्य ओपीडी, एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत शुगर, बीपी की जांच, मलेरिया टेस्ट इत्यादि कई स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया।

जनसमस्या निवारण शिविर में 90 व्यक्तियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 70 व्यक्तियों की बीपी एवं शुगर की स्क्रीनिंग की गई। मलेरिया टेस्ट 8, जिसमें पॉजिटिव की संख्या 0 है। 06 व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। मोतियाबिंद 2, कुष्ठ का 1 मरीज चिन्हित किया गया। 25 व्यक्तियों की सिकल सेल जांच की गई। जन समस्या निवारण शिविर में बीएमओ डॉ.सुनील सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग विकासखण्ड स्तरीय एवं मैदानी अमला चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, क्षय तथा मलेरिया यूनिट के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी, आशा कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य शिविर के विभिन्न स्टॉलों पर अपनी सेवाएं प्रदान की।

वारासिवनी उप जेल में 10 दिवसीय मशरूम कल्टीवेशन प्रशिक्षण का हुआ समापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । वारासिवनी उप जेल में बंदियों के लिए आयोजित 10 दिवसीय मशरूम कल्टीवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 24 अक्टूबर को किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार के सहयोग से 15 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ किया गया था।

कार्यक्रम का संपूर्ण प्रबंधन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरएसईटी के कार्यक्रम समन्वयक अंकित लिल्हारे द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। समापन समारोह में सहायक जेल अधीक्षक अभय वर्मा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से अंकित लिल्हारे, श्रीमती अनीता चौधरी, और आजीविका मिशन से दिलीप सिंह गोंड उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। प्रशिक्षण में सत्येंद्र कुमार ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। उन्होंने बंदियों को मशरूम की खेती की तकनीकी बारीकियां, उत्पादन प्रक्रिया, मार्केटिंग रणनीतियां, बैंकिंग प्रक्रियाओं की जानकारी, और उद्यमिता के गुण सिखाए। यह प्रशिक्षण बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने और समाज में उनके पुनर्वास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

समापन समारोह में अतिथियों ने प्रशिक्षण की सफलता की सराहना की और बंदियों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। यह पहल न केवल बंदियों को नई दिशा प्रदान करेगी, बल्कि जेल सुधार और कौशल विकास के क्षेत्र में भी एक प्रेरणादायी उदाहरण स्थापित करेगी।